मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-9, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 186 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
21 दिसंबर 2023 गुरुवार

आज का मौसम
22 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

भाजपा हाईकमान के समक्ष यादव मंत्रिमंडल विस्तार की फाइल फिर खुली, इंडिया सरकार पर हमलावर

विस सत्र 2023

मप्र के लिए फाइनल मंत्रिमंथन, निलंबन पर नाराज सांसदों का मार्च, मिमिक्री पर महाभारत

नई दिल्ली/ भोपाल दोपहर मेट्रो।

संसद में 143 सांसदों के निलंबन के बाद आज विपक्षी दलों का गुस्सा फूटा है,विपक्षी सांसदों ने आज दिल्ली में संसद से विजयचौक तक पैदल मार्च निकाला। इसके कारण संसद की कार्यवाही बाधित हुई है। आज भी इन दोनों मुद्दों पर संसद में और संसद के बाहर हंगामा चल रहा है। इस मामले में एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा है कि ‘ संसद के अंदर लोग घुस गए, उस पर सरकार चुप है। लेकिन जो संसद के बाहर हुआ (उपराष्ट्रपति की मिमिक्री), उस पर कार्यवाही की जा रही है। यह गलत है।’ वहीं लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीररंजन चौधरी ने कहा कि मिमिक्री मामले को जानबूझकर जाति का रंग दिया गया। संसद की सुरक्षा में चूक पर सरकार सदन के अंदर क्यों बयान नहीं दे रही है। मोदी सरकार ने अहंकार में आकर विपक्षी सांसदों को बाहर निकाला है। उधर विपक्ष के तेवरों के बीच भाजपा ने मिमिक्री कांड पर देशभर में व्यापक प्रदर्शन करने का फैसला किया है। मिमिक्री कांड में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के साथ ही राहुल गांधी भी आरोपी हैं, जो घटना का वीडियो बना रहे थे।

खरगे बोले जातिवादी रंग क्यों

सांसदों के मार्च से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जो सदन के मुखिया हैं, वे भी नहीं चाहते कि सदन चले, मैं माफी चाहता हूं कि राज्यसभा चेयरमैन साहब ने मुद्दा उठाकर इसे जातिवाद रंग पर ले आए हैं। खरगे बोले लोकतंत्र में बात करना हमारा हक है। आज का विरोध प्रदर्शन सरकार के खिलाफ आंदोलन है।

ईडी के समक्ष नहीं पहुंचे केजरीवाल,विपश्यना पर गए

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित शराब घोटाला मामले में ईडी की ओर से जारी दूसरे समन पर भी आज मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पेश नहीं हुए हैं। उन्होंने जवाब में कहा है कि समन राजनीति से प्रेरित है, इसे ईडी को वापस लेना चाहिए। केजरीवाल ने कहा मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है मैं हर कानूनी समन मानने को तैयार हूं। मगर ये समन भी पिछले समन की तरह गैरकानूनी है। केजरीवाल 10 दिवसीय विपश्यना के लिए चले गए हैं। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी गई है कि वह विपश्यना के लिए किस शहर में गए हैं।

पुराने व नए पर फंसा पेंच!

मप्र के यादव मंत्रिमंडल के विस्तार में उभरे पेंच के चलते आज फिर दिल्ली में मप्र के शीर्ष नेताओं के साथ हाइकमान बैठक कर रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी दिल्ली पहुंच रहे हैं। यादव दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। वहीं रात को वे मप्र के सांसदों के साथ भोज में शरीक होंगे। ज्ञात हो कि मप्र में विधानसभा चुनाव के परिणाम 3 दिसंबर को आए थे, इसके बाद 13 दिसंबर को मोहन यादव ने मुख्यमंत्री और जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। इसके बाद से ही लगातार मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा का दौर चल रहा है लेकिन अंतिम तौर पर कुछ तय नहीं हो पा रहा है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि पुराने चेहरों व नये चेहरों के बीच संतुलन साधने के फेर में यादव कैबिनेट में विस्तार अटक रहा है। हाइकमान सभी लोकसभा क्षेत्र में कम से कम एक मंत्री चेहरा देने की योजना पर काम कर रहा है लेकिन सांसद व केंद्रीय मंत्री पद छोड़कर चुनाव लड़ने वाले पुराने नेताओं को एडजस्ट करने का फार्मूला उलझ रहा है। इसके अलावा मप्र भाजपा के वरिष्ठ विधायकों के नाम पर भी असमंजस बन रहा है। इनमें कैलाश विजयवर्गीय,गोपाल भार्गव,जयंत मलैया जैसे आधा दर्जन नाम हैं। सूत्रों की मानें तो पहले बीस मंत्री शामिल करने की तैयारी की गई थी लेकिन समय आगे खिसकते जाने की वजह से अब तीस मंत्री बनाए जाने की कवायद शुरू हो गई है। एक या दो पद ही रिक्त रखे जा सकते हैं। इस मामले में संघ के वरिष्ठ नेताओं की भी राय ली गई है।

मध्यप्रदेश पर ऋण बढ़कर चार लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंचा

विधानसभा में चर्चा

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक रामनिवास रावत ने आज मध्यप्रदेश विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार पर ऋण का बोझ बढ़कर तीन लाख पचासी हजार करोड़ रुपए हो गया है। रावत ने राज्यपाल के अभिभाषण पर पेश किए गए कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा में शामिल होते हुए यह बात कही। इसके पहले चर्चा की शुरूआत वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक एवं पूर्व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने की। उन्होंने भाजपा सरकार की उपलब्धियां बतायीं और सरकार की भविष्य की योजनाओं का खाका खींचा। रावत के संबोधन के दौरान हस्तक्षेप करते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान लाए गए भाजपा के ‘‘संकल्प पत्र’’ का अक्षरशः पालन किया जाएगा। रावत ने अपने संबोधन में कहा कि बीस वर्ष पहले 2003 में राज्य सरकार पर ऋण लगभग तीस हजार करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर तीन लाख पचासी हजार करोड़ रुपए हो गया है। इसी तरह प्रति व्यक्ति ऋण भी बढ़कर लगभग 50 हजार करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने अभिभाषण में ‘‘लाड़ली बहना’’ योजना का जिक्र नहीं होने का उल्लेख किया और कहा कि इस योजना का क्या भविष्य है, यह भी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या सरकार गेंहू और धान अपनी घोषणा के अनुरूप बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का कार्य करेगी। रावत ने कटाक्ष करते हुए कहा कि दरअसल इस राज्य में बैठी ‘‘मोदी सरकार’’ है और यहां बैठे सब लोगों को वैसा ही करना होगा, जैसा ‘‘वहां’’ से संदेश आएगा। उन्होंने रोजगार और रिक्त पदों पर भर्ती संबंधी मुद्दे पर उठाए और कहा कि वे इस बारे में मु यमंत्री से जानना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध उत्खनन भी जगह जगह चल रहा है। यह कार्य सत्तारूढ़ दल के प्रभावी नेताओं के संरक्षण में किया जा रहा है। राज्य की नवगठित सोलहवीं विधानसभा का यह पहला सत्र है। चार दिवसीय सत्र का आज अंतिम दिन है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सदन में अपना अभिभाषण बुधवार को पेश किया था, जिस पर आज सदन में चर्चा हुयी।

आज का कार्टून

राम मंदिर: सोनिया को भी न्यौता भेजा ट्रस्ट ने

अयोध्या एजेंसी। भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण अयोध्या में अंतिम चरण में है। 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां भी होने लगी हैं। देश की प्रमुख हस्तियों में इसमें शामिल होने के लिए न्योता भेजने के क्रम मे अब कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी प्राणप्रतिष्ठ कार्यक्रम में शामिल होने न्योता भेजा गया है। यह न्योता श्रीराम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से भेजा गया। सोनिया गांधी के अलावा मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, एचडी देवगौड़ा को भी आमंत्रित किया गया है।

24 घंटे में कोरोना के 358 नए मामले,निगरानी के निर्देश

नई दिल्ली। देश में कोरोना का बढते खतरों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आज सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में देश में कोरोना के 358 नए केस सामने आए हैं व 3 मरीजों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा खतरा केरल में है, जहां 300 नए मरीज मिले हैं। इससे पहले बुधवार को जेएन.1 वेरिएंट के 21 मामले सामने आए थे। वहीं कोविड के बढ़ते मामलों को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की व टेस्टिंग बढ़ाने, सर्विलांस सिस्टम को मजबूत करने और सभी केसों की रिपोर्टिंग करने को कहा गया।

कांग्रेस को तीन दिन में मिले तीन करोड़, अब राहुल के हस्ताक्षर वाली टीशर्ट बिकेंगी

चुनाव के इंतजाम में जुटी पार्टी

नई दिल्ली , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा शुरू की गई क्राउडफंडिंग के 48 घंटों में पार्टी को एक लाख 13 हजार लोगों ने डोनेट किया है। डोनेट फॉर देश के तहत कांग्रेस को करीब तीन करोड़ रुपये का चंदा मिला है। पार्टी को सबसे ज्यादा डोनेशन महाराष्ट्र से मिला है, जहां करीब 56 लाख लोगों ने चंदा दिया। इसके बाद राजस्थान (26 लाख), दिल्ली (19), यूपी (19 लाख) और कर्नाटक (18 लाख) दानदाता हैं। अभियान की शुरूआत अध्यक्ष खरगे ने 1.38 के दान के साथ की थी। कांग्रेस का कहना है कि इस अभियान के दो लक्ष्य हैं- ज्यादा पब्लिक फंड और ज्यादा पब्लिक पार्टिसिपेशन। कांग्रेस की 138वीं

वर्षगांठ पर पार्टी 138, 1380, 13,800 और 1,38,000 रुपये का चंदा ले रही है, लोग इससे ज्यादा डोनेट करना चाहें तो कर सकते हैं। पार्टी को सबसे ज्यादा 138 रुपये का ही चंदा मिला है। सिर्फ 32 लोगों ने ही एक लाख 38 हजार का चंदा दिया है। इसके अलावा 626 लोगों ने 13 हजार 800 रुपये दिये हैं। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के बाद सांसद राहुल गांधी के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट और टोपी जैसे सामान भी बेचेने का निर्णय लिया है।

राहुल समेत गहलोत और दिग्विजय ने दिए 1.38 लाख

एक लाख 38 हजार रुपये का चंदा देने वालों में मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा राहुल गांधी, अशोक गहलोत, सीपी जोशी, निरंजन पटनायक, सुशील कुमार शिंदे, टीएस सिंहदेव, जयराम रमेश और पवन खेड़ा का नाम शामिल है। वहीं कार्यसमिति सदस्य दिग्विजय सिंह ने 1380 रूपये पार्टी को भेजे हैं।

भारत पर बढ़ा कर्ज का बोझ 205 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली , एजेंसी।

दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के दावों व हकीकतों के बीच एक सच्चाई यह भी है कि भारत पर कर्ज का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। देश का कुल कर्ज चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में बढ़कर 2.47 करोड़ डॉलर या 205 लाख करोड़ रुपये हो गया है. हालांक। इस बीच डॉलर की कीमत में होनी वाली बढ़ोतरी का असर भी पड़ा है, जिसने कर्ज के आंकड़े को बढ़ाने का काम किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष कर्ज को लेकर भारत को चेता चुका है कि केंद्र और राज्यों को मिलाकर भारत का सामान्य सरकारी कर्ज मध्यम अवधि में सकल घरेलू उत्पाद के सौ फीसदी से ऊपर पहुंच सकता है. ऐसे में लॉन्ग टर्म में कर्ज चुकाने में दिक्कत पेश आ सकती है। खबरों के मुताबिक पहले बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल कर्ज 2.34 ट्रिलियन डॉलर या करीब 200 लाख करोड़ रुपये था। इंडियाबॉन्ड्स डॉट कॉम के सह-संस्थापक विशाल गोयनका ने भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए केंद्र और राज्यों पर कर्ज के आंकड़े पेश किए हैं। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार का कर्ज सितंबर तिमाही में 161.1 लाख करोड़ रुपये रहा, जो मार्च तिमाही में 150.4 लाख करोड़ रुपये था।

मेट्रो एंकर

200 करोड़ के हेरफेर के आरोपी सुकेश की मोहब्बत बनी मश्किल

प्रेमी के लवलेटर रुकवाने,जैकलीन पहुंची अदालत

नई दिल्ली, एजेंसी।

सेलिब्रिटीज को मीडिया में नाम आने पर खुशी ही होती है लेकिन कई बार यह तकलीफ बन जाती है और यह फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की मौजूदा हालत से साबित भी हो रही है। वह अपने पूर्व प्रेमी व जेल में बंद सुकेश से परेशान है। उसकी चिट्ठियों और बयानों से जैकलीन इतना आजिज आ गई हैं कि अदालत का दरवाजा खटखटाया दिया है। खबरों के मुताबिक सुकेश से पीछा छुड़ाने के लिए जैकलीन ने दिल्ली की एक कोर्ट में याचिका दी है। जैकलीन उस 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग और एक्सटॉर्शन मामले में गवाह हैं जिसमें सुकेश मुख्य आरोपी है। जेल में बंद रहते हुए सुकेश ने कई बार जैकलीन के नाम ‘लव लेटस’ लिखे हैं। जैकलीन का कहना है कि सुकेश की इन चिट्ठियों से उनका शीलभंग करने की कोशिश हो रही है। सुकेश इन चिट्ठियों के जरिए उनपर दबाव बना रहा है कि वे गवाह के रूप में अदालत को सच न बताएं। जैकलीन ने अदालत से गुहार लगाई कि सुकेश चंद्रशेखर को फौरन ऐसा करने से रोका जाए।

उल्लेखनीय है कि जैकलीन का सुकेश से संबंध काफी सुर्खी बन चुका है। दोनों के अंतरंग फोटो व मुलाकातें भी सामने आ चुकी हैं। यह तब की बातें हैं जब सुकेश पुलिस के हत्थे नहीं चढा था। अब जैकलीन ने कहा है कि ‘ऐसे पत्रों के जरिए, आरोपी ने आवेदक की गरिमा को हुंचाने वाले कुछ अनुचित बयान दिए हैं। यह चंद्रशेखर की ओर से उसे (जैकलीन) किसी तरह डराने और धमकाने का प्रयास है ताकि वह अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में इस अदालत में सच्चाई का खुलासा न कर सके।’ जैकलीन के मुताबिक, सुकेश के चिट्ठी जारी करने के बाद मीडिया में सुर्खियां बनती हैं जिससे उन्हें परेशानी होती है। उन्होंने जांच एजेंसी और मंडोली जेल (सुकेश वहीं पर बंद है) के सुप्रिटेंडेंट से सुकेश की ऐसी हरकतों पर फौरन रोक लगाने के लिए अदालत से निर्देश देने को कहा। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 17 जनवरी की तारीख तय की है।

यह है सुकेश का कारनामा

200 करोड़ रुपये के जिस मामले में सुकेश आरोपी है, उसकी जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा कर रही है। फर्नांडिस इस मामले में प्रोटेक्टेड गवाह हैं।जैकलीन ने याचिका में 15 अक्टूबर 2023 को सुकेश की ओर से लिखी गई चिट्ठी का जिक्र किया है। जैकलीन ने कहा कि चंद्रशेखर का उनसे संपर्क साधने की कोशिश करना गवाह से छेड़छाड़ करने की कोशिश है, मकसद साफ है कि उन्हें मानसिक रूप से इतना धमकाया जाए। फर्नांडिस ने हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग केस की सप्लीमेंट्री चार्जशीट को खारिज करवाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

तलाक का केस कोर्ट में लंबित, महिला ने मां बनने के लिए लगाई सुप्रीम कोर्ट से गुहार

आईवीएफ तकनीक के जरिए मां बनने की जताई इच्छा, पति से मांगा जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल कुटुंब न्यायालय में लंबित तलाक के एक मामले के बीच महिला ने मां बनने के लिए सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है। महिला ने अपने पति से आईवीएफ तकनीक के जरिए मां बनने की इच्छा जताई है। इसके साथ ही महिला ने अपने पति द्वारा भोपाल में दाखिल तलाक के लंबित मामले को लखनऊ स्थानांतरित करने का आग्रह किया है। शीर्ष अदालत ने महिला की इस इच्छा के लिए तलाक की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। पति को नोटिस जारी करते हुए 6 सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस मामले में पति ने भी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आईवीएफ तकनीक में मदद करने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

पति की ओर से लगाया गया है तलाक का केस

मामले में दंपति की शादी 2017 में हुई थी। महिला ने दायर याचिका में बताया कि उसका पति नहीं चाहता था कि बच्चा पैदा हो। वह हमेशा बेरोजगारी का बहाना बनाकर बच्चे की प्लानिंग को टाल देता था बड़ी उम्र और स्वस्थ बच्चे के लिए उसका पति आईवीएफ के जरिए बच्चा पैदा करने के लिए सहमत हुआ। जिसके लिए उन्होंने विभिन्न चिकित्सा परीक्षण कराए और एक डॉक्टर की देखरेख में आवश्यक दवा लेना शुरू कर दी, लेकिन अचानक ही पति ने कोर्ट में तलाक के लिए याचिका दायर कर दी। पति ने उससे सभी संपर्क तोड़ दिए।

वन विहार में वर्ष 2015 में पहली बार 7 बारहसिंगा लाए थे

कान्हा से वन विहार नहीं लाए जाएंगे बारहसिंगा, लेकिन एसटीआर में होगी शिफ्टिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के वन विहार नेशनल पार्क में कान्हा टाइगर रिजर्व से बारहसिंगा नहीं लाए जाएंगे लेकिन नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में शिफ्टिंग होगी। कान्हा से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 18 से अधिक बारहसिंगा लाए जाएंगे। दोनों ही रिजर्व में इसकी तैयारियां पूरी हो गई है। संभवतः जनवरी के तीसरे सप्ताह में यह शिफ्टिंग हो जाएगी।

वन विहार में इसलिए नहीं लाए जाएंगे

वन विहार में वर्ष 2015 में पहली बार 7 बारहसिंगा लाए थे। शुरू में तो इनकी संख्या बढ़ी लेकिन बाद में मौत होने लगी। लंबे अध्ययन के बाद पता चला कि वन विहार का वातावरण इन्हें सूट नहीं कर रहा है। इनमें विकृतियां आने लगी है। जिसकी मुख्य वजह पार्क के अंदर पाई जाने वाली एक तरह की घास है जिसे खाने के बाद इनका शरीर कमजोर पड़ने लगता है। इन्हें पानी भी सूट नहीं कर रहा है। तब से शिफ्टिंग रोक दी है। हालांकि कुछ बारहसिंगा बचे हैं जिन्हें पार्क के अंदर बाड़े से बाहर छोड़ा है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में इसलिए होगी शिफ्टिंग

इस रिजर्व में कान्हा से पहली बार में 12 बारहसिंगा लाए थे, यह शिफ्टिंग भी 2015 के शुरुआत में ही हुई थी। उसके बाद से लेकर अब तक कई बार इन्हें शिफ्ट किया जा चुका है। अब इनकी संख्या करीब 200 के आसपास पहुंच गई है। इनमें से आध से अधिक तो सतपुड़ा के जंगल में ही जन्में है और अब खुले जंगल में घूम रहे हैं। इन्हीं के कुनब में करीब 18 से अधिक बारहसिंगा और शामिल होंगे, जो कान्हा से लाए जाएंगे। सतपुड़ा में इन्हें रहवास स्थल भा गया, तभी तो इनका कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है।

बीयू : महिला अतिथि शिक्षक की शिकायतों पर जांच के लिए दो साल बाद गठित हुई जांच समिति

यह समिति महिला संबंधित अन्य शिकायतों की भी जांच करेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में एक प्रोफेसर महिला अतिथि शिक्षक को प्रताड़ित करने के मामले में अब दो साल बाद जांच समिति गठित की गई है। यह समिति महिला संबंधित सहित विवि में हुई अन्य प्रताड़ना शिकायतों की भी जांच करेगी।

विवि के कुलसचिव ने हाल ही में दिए एक आदेश में महिलाओं के यौन उत्पीड़न मामले में एक कमेटी गठित की है। हालांकि आदेश में यह अब भी नहीं लिखा गया है कि जांच कमेटी को अपना प्रतिवेदन कितने दिनों में सौंपना होगा। महिला यौन उत्पीड़न सहित महिलाओं से जुड़ी अन्य शिकायतों की जांच के लिए बीयू ने समिति गठित कर दी है। इस समिति की संयोजक भौतिक विभाग की प्राध्यापक प्रो. साधना सिंह को नियुक्त किया गया है। वहीं समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक प्रो. अनिता धुर्वे, आरपीईजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. पिंकी गोखले, भू विज्ञान की डॉ. आरती डावर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉ. सुनील श्रेही को सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रस्तुतकर्ता अधिकारी गोपनीय शाखा की सहायक कुलसचिव शरद पटेल हैं।

यह है पूरा मामला

दरअसल, महिला उत्पीड़न का यह मामला बीयू के तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृत विभाग से जुड़ा हुआ है।महिला अतिथि शिक्षक ने इन दो सालों में कई बार अधिकारियों के साथ ही सीएम हेल्पलाइन तक इसकी शिकायत की थी। इस दौरान उन्हें विवि से हटा भी दिया गया। महिला अतिथि शिक्षक ने बताया कि जुलाई 2022 से पहले भी वे बीयू में ही पदस्थ थी। इस दौरान प्रोफेसर द्वारा उनके साथ अश्लील हरकत भी की गई। पूरे सत्र उन्हें प्रताड़ित किया गया। विरोध करने पर उन्हें जुलाई 2022 में निकाल दिया गया। जिसके बाद उन्होंने हर स्तर पर इसकी शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। जुलाई 2023 में दोबारा उन्होंने बीयू जॉइन किया तो फिर प्रताड़ित किया जाने लगा। अन्य अतिथि शिक्षकों को तीन-तीन पीरियड दिए गए, लेकिन इन्हें सिर्फ एक ही पीरियड मिला। इस पूरे मामले की इन्होंने हाल ही में फिर शिकायत की है।

उपवास, पेट की सफाई और नींद सेहतमंद रहने के मंत्र

आरोग्य केन्द्र में चल रहे शिविर में अनुभव सत्र

हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र में चल रहे दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों ने सेहतमंत्र रहने के सूत्र दिए, वहीं साधकों ने अपने शिविर अनुभव डॉ. गुलाब राय टेवानी ने शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डॉ. रमेश टेवानी ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना है। आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई व नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, उपवास, रसाहार व फलाहार के माध्यम से करते हैं। सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए।

शिविर हुआ इलाज: डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हाइपरटेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका, फ्रोजन शोल्डर।

यह गतिविधियां हो रहीं: प्रातः जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला।

सिंधी समागम 23 को तैयारियों को लेकर बैठक हुई

हिरदाराम नगर। राष्ट्रीय सिंधी मंच की बैठक हुई, जिसमें 23 दिसंबर को होने वाले सिंधी समागम की तैयारियों पर चर्चा की गई। समागम सुशीला देवी धर्मशाला में होने जा रहा है, जिसकी शुरुआत हवन कुंड महायज्ञ में महाआहुति के साथ सुबह 11 बजे होगी।

समागम में देश और दुनिया के सिंधी समाज को समागम के माध्यम से हर वर्ष जोड़ने की शुरुआत है। भोपाल में सिंधी समाज के लिए तीर्थ स्थान बनाना है। बैठक में आयोजन को लेकर जिम्मेदारियाँ सौंपी गई।

संस्कार विद्यालय में छात्राओं के लिए विशेष मेडिकल शिविर का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार स्कूल में छात्राओं के लिए विशेष मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. राजकुमारी चोटरानी एवं डॉ पूजा चोटरानी अपनी सेवाएं दीं।

शिविर का शुभारम्भ संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, डॉ राजकुमारी चोटरानी, डॉ पूजा चोटरानी द्वारा मां सरस्वती एवं संत शिरोमणी हिरदाराम साहिब जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया। चेलानी ने कहा कि हमारा प्रयास रहता है कि हम शिक्षा के साथ संस्कार भी बच्चों को मिले और हम हर वर्ष बच्चों को स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कैम्प का आयोजन करते हैं।

डॉ चोटरानी ने कहा कि हमें अपने ऊपर गर्व होना चाहिए कि हम ऐसे विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जहां न्यूनतम शुल्क पर उच्च शिक्षा प्राप्त होती है जो भोपाल के स्कूलों में भी नहीं होती है। और संस्कार स्कूल में नाम के

अनुरूप ही संस्कार दिये जाते है।

विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्राचार्य मीनल नरयानी, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने आभार व्यक्त किया।

59 वीं अखंड रामधुनी शुरू मानव कल्याण, खुशहाली की कामना

हिरदाराम नगर। दुनिया की खुशहाली और मानव कल्याण की कामना के लिए वार्षिक अखंड रामधुनी की शुरूआत हुई। संत हिरदारामजी के शिष्य सिद्धभाऊजी की मौजूदगी में विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, शिक्षाविद विष्णु गेहानी और समाजसेवियों ने रामनाम की रट लगाकर की। साधु वासवानी स्कूल प्रांगण में आयोजित अखंड रामधुनी के शुभारंभ मौके पर सिद्धभाऊजी ने विधायक रामेश्वर, सबनानी को मंत्री बनने का आशीर्वाद दिया। साथ ही कहा कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को राजनीति के प्रभाव का विकास के लिए करना चाहिए। उन्होंने सभी से रामनाम की रट लगाने का आव्हान किया। विधायक शर्मा ने कहा राम नाम की धुनी वातावरण को आस्था से भरती है। संत स्वामी हिरदारामजी की प्रेरणा से शुरू हुई इस परंपरा से जुड़ने का हमे मौका मिला है। हम सौभाग्यशाली हैं। कोरोना काल में भी यह परंपरा संतनगर में कायम रही। विधायक सबनानी ने कहा, दुनिया शायद ही इस तरह की परंपरा होगी, जब हर आयु वर्ग के लोग साल में सात दिन हरे राम राम, राम, हरे राम की रट लगाते हों।

संत हिरदाराम सेवा समिति ने बांटे कंबल

हिरदाराम नगर। स्वामी हिरदाराम साहिब की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को कंबल का वितरण किया। झूलेलाल मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया। समिति के अध्यक्ष नंद दादलानी ने बताया कि संत के नाम से समय-समय पर सेवा कार्य किये जाते हैं, ताकि संतों की आशीर्वाद एवं सेवा हेतु प्रेरणा जागृत होती रहे। समिति के संस्थापक साबू रीझवानी ने संतजी के पढ़ाए सेवा के पाठ से ही शक्ति मिलती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी ने कहा कि कमजोर वर्ग की सेवा ईश्वर की भक्ति है, इसलिए सेवा के कार्य में वे भी हमेशा समिति के साथ रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रतापराय तेजवानी, नानक दादलानी, राज मनवानी, नारी तनवानी, कैशव पेसवानी, मुरलीधर गुरवानी एवं महिला बहनें आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन समिति के उपाध्यक्ष राज मनवानी तथा आभार नारी तनवानी ने व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर | निर्माण कार्य का लिया जायजा, 10 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च होंगे

फ्लाईओवर से संतनगर स्टेशन को जोड़ने को लेकर विधायक डीआरएम के बीच चर्चा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने बुधवार को देवाशीष त्रिपाठी के साथ संतनगर में फाटक रोड श्री.ईएमई सेंटर पर बन रहे फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। विधायक शर्मा ने फ्लाई ओवर के निर्माण संबंधी अवलोकन कर कार्य की प्रगति जांची। इसके साथ ही उन्होंने डीआरएम भोपाल से इस फ्लाईओवर को संत हिरदाराम नगर स्टेशन से जो? जाने की प्लानिंग को लेकर चर्चा की। इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तेजी से जारी है, यदि इसी रफ्तार से काम चलता रहा तो जल्द ही फ्लाईओवर का निर्माण पूरा हो जाएगा।

निरीक्षण के दौरान शर्मा ने सुझाव दिया कि फाटक रोड पर बन रहे फ्लाईओवर को संत हिरदाराम नगर रेल्वे स्टेशन से भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि . निश्चित रूप से यह सराहनीय कदम हैए करोड़ों की लागत से स्टेशन का नव निर्माण हो रहा है परन्तु संत नगर रेल्वे स्टेशन की बेहतर कनेक्टिविटी न होने की वजह से यात्रियों को परेशान होना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि परस्पर समन्वय के साथ रेलवे एवं लोक निर्माण विभाग इसका निर्माण करेंगे। जिसके तहत सर्विस रोड, स्ट्रीट लाइट के साथ इस फ्लाइ ओवर का निर्माण किया जाएगा।

10 करोड़ अतिरिक्त खर्च होंगे

विभागीय अधिकारियों के अनुसार स्टेशन से जोड़ने के लिए यह फ्लाइओवर 7.50 मीटर चौड़ा एवं 300 मीटर लंबा होगा। सर्विस रोड के साथ लगभग 10 करोड़ की अतिरिक्त राशि इसमें खर्च होगी।

ये रहे उपस्थित

फ्लाईओवर के निरीक्षण के दौरान डीआरएम के साथ साथ अपर आयुक्त विनीत तिवारीए एसडीएम आदित्य जैनए कार्यपालन यंत्री जावेद शकील सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

छोटी-बड़ी खबरें

26 दिसंबर से 150 कॉलेजों में शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। 26 दिसंबर से तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा फार्मेसी के लगभग 150 कॉलेजों प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह प्रक्रिया 30 दिसंबर तक चलेगी। एक सितंबर से कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) का लास्ट राउंड शुरू किया गया था। पहले राउंड में 6 हजार 738 एवं दूसरे राउंड में 4 हजार 887 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया। इसके अलावा आईपीएस की सीटों पर 69 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया। बता दें बी-डी फार्मेसी की कुल 26 हजार 540 सीटों में इस साल 21 हजार 153 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया है। ऐसे में 5 हजार 387 सीटें खाली हैं।

31 तक करना होगा छात्रवृत्ति के नेशनल पोर्टल पर आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्री मैट्रिक छात्र व छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 31 दिसंबर तक पोर्टल पर जाकर करना होगा। नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन करने व संबंधित जानकारी देखी जा सकती है। आवेदन सत्यापन कराने की जिम्मेदारी छात्र-छात्रा की होगी योजना में बीड़ी, डोलोमाइड व लोह मैंग्नीज खदान मजदूरों के मान्यता प्राप्त शैक्षिणिक संस्थाओं में अध्ययनरत बच्चों को वितीय सहायता मिलेगी।

पंचायतों के उप निर्वाचन प्रशिक्षण कराने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन के लिये निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। उप निर्वाचन के लिये विभिन्न कार्यों में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपेक्षा अनुरूप कार्य करने के लिये प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने संबंधित कलेक्टर्स को दिये हैं। सिंह ने कहा है कि जिले में ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारी तथा मास्टर ट्रेनर्स (प्रशिक्षण) की नियुक्ति कर निर्वाचन के विभिन्न कार्यों का प्रशिक्षण करवाकर कार्य संपादित करना सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की किस्त जारी होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हितग्राहियों को वर्ष में कुल रूपये छह हजार की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। योजनांतर्गत 15 वी किश्त से हितग्राहियों की लैण्ड लिंक, आधार एवं बैंक खाता डीबीटी के लिए इनेबल, ई-केवायसी की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण किया जाना अनिवार्य किया गया है । कलेक्टर आशीष सिंह ने राजस्व एवं तहसीलदारों को निर्देश जारी कर दिये है।

पटवारी ने सभी कांग्रेस पदाधिकारी को किया 'बहाल'

टीम कमलनाथ ने फिलहाल ली राहत की लंबी सांस...!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के एक फैसले से मप्र कांग्रेस की पुरानी कार्यकारिणी ने राहत की सांस ली है दर असल कांग्रेस का काम संभालने के बाद पटवारी के हर एक्शन पर कमलनाथ के कार्यकाल में नियुक्त कांग्रेस पदाधिकारियों की नजरें भी थी, घबराहट भी थी और अनिश्चितता भी थी। मगर पटवारी ने फिलहाल सभी पदाधिकारी को अपना कार्य पहले की तरह जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक पटवारी ने पदवार संभालने के अगले दिन अपने कार्यालय में पूरे समय बैठकर विभिन्न नेताओं कार्यकर्ताओं व जिले से आए लोगों से मुलाकातें की और देर शाम प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सभी कर्मचारियों के साथ लंबी बैठक की इस बैठक के बाद उन्होंने तय किया कि फिलहाल पुरानी कार्यकारिणी से कम लिया जाए माना जाता है कि वह अगले महीने अपनी नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू करेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष बदलने के साथ ही पुरानी कार्यकारणी स्वतः ही भंग हो जाती है। लिहजा कमलनाथ कार्यकाल में नियुक्त सभी पदाधिकारी कल दिनभर अनिश्चितता से घिरे हुए थे। पटवारी के फैसले के बाद उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि जिला प्रभारी, जिला सह प्रभारी, मीडिया/ सोशल मीडिया के पदाधिकारी, विभाग/ प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, पदाधिकारी, वर्तमान में अपने दायित्वों का यथावत निर्वहन करते हुये पार्टी संगठन की मजबूती हेतु सक्रियता से कार्य करते रहेंगे।

एईसीसी के निर्देश पर कल पहला इम्तिहान

राज्यसभा और लोकसभा के 142 सांसदों को निलंबित करने के मामले में इंडिया एलायंस की बैठक में निर्णय अनुसार सभी प्रदेश कांग्रेस इकाईयों में 22 दिसम्बर को भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदेश एवं जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। पटवारी ने जिला/शहर कांग्रेस अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, मोर्चा संगठनों और विभागों के अध्यक्षों को भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा है कि उक्त प्रदर्शन को प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश, जिला, ब्लाक पदाधिकारी, सांसद, विधायक, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, कांग्रेसजनों एवं कार्यकर्ताओं की अधिकाधिक उपस्थिति सुनिश्चित करें।

पद छोड़ने की पेशकश नामंजूर

सूत्र बताते हैं कि पटवारी से मिलकर कुछ पदाधिकारियों ने जहां अपने पुराने रिश्ते तथा पुराने दिनों की याद ताजा करने की कोशिश की, वही कुछ ने पद छोड़ने की पेशकश भी की। बताया जाता है कि एक वरिष्ठ पदाधिकारी अपना इस्तीफा लेकर पटवारी से मिलने पहुंचे तो उनकी पेशकश को पटवारी ने नामंजूर कर दिया तथा काम करने के लिए कहा। सूत्र बताते हैं कि पटवारी कुछ दिन पीएससी की पुराने टीम के कार्यकलापों पर नजर रखने और उनके कामकाज को तौलने के मूड में हैं लेकिन यह लगभग तय माना जा रहा है कि कुछ पदाधिकारियों को मौजूदा दायित्व से हटकर दूसरा काम दिया जाएगा या रुखसत किया जाएगा।

अब यूजीसी की अनुमति जरुरी

यूजीसी की परमिशन के बिना दाखिल नहीं होंगे विदेशी विश्वविद्यालय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अब देश के किसी भी विश्वविद्यालय में कार्यक्रम या एमओयू से पहले विदेशी विश्वविद्यालयों को यूजीजी की परमिशन लेना होगी। राजधानी के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्याल, सांची सहित प्राइवेट विश्वविद्यालयों में भी यह व्यवस्था लागू होगी। अभी तक यह विश्वविद्यालय बिना किसी परमिशन के कार्यक्रम और एमओयू करते रहे हैं। प्राइवेट यूनिवर्सिटी में विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर कुछ डिप्लोमा कोर्स भी शुरू किए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भारतीय और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग के लिए अधिसूचना जारी कर दी है।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)के तहम ट्विनिंग कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री और दोहरी डिग्री का प्रावधान किया गया है। इसके बाद से विदेशी विश्वविद्यालयों के माध्यम से ऑनलाइन कोर्स का चलन भी बढ़ा है। एमसीयू ने पिछले दिनों चीन के मीडिया और प्रिंटिंग तकनीक के प्रमुख विश्वविद्यालय के बीच एक एमओयू किया था। यह विश्वविद्यालय बीजिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ ग्राफिक कम्युनिकेशन है। इसके मध्यम से स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम चलाए जाते हैं। वहीं हालही में अमेरिकी विश्वविद्यालय के साथ मौसम स्टेशन को लेकर भी एमओयू किया गया है। बता दें कोई भी विदेशी उच्च शिक्षण संस्थान आयोग की पूर्व मंजूरी के बिना भारत में कोई भी कार्यक्रम पेश नहीं करेगा। फेंचाइजी व्यवस्था के तहत कार्यक्रम पेश नहीं करेंगे और ऐसे कार्यक्रमों को यूजीसी द्वारा मान्यता नहीं दी जाएगी। इस व्यवस्था के तहत जारी की गई डिग्रियां भी आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं हैं।

छात्र जांच लें मान्यता

यूजीसी के ऐसे विवि से छात्रों को सतर्क रहने की सलाह दी हैं। जारी आदेश में कहा कि राजधानी में भी कई प्राइवेट विश्वविद्यालयों ने विदेशी विश्वविद्यालय से फेंचाइजी व्यवस्था के तहत कोर्स शुरू किए गए हैं। इन कोर्स को यूजीसी नहीं हैं। यदि किसी छात्र ने इसमें प्रवेश लिया है, तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है।

परीक्षा के समय नहीं होंगे विषय परिवर्तित

माशिमं दिसंबर माह के अंत तक जारी करेगा डमी प्रवेश पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

माशिमं के अधिकारियों का इस संबंध में स्पष्ट कहना है कि इस साल किसी भी स्थिति में परीक्षा के समय विषय या अन्य किसी तरह का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं फरवरी में शुरू होंगी। की 10वीं एवं 12वीं कक्षा की परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को दिसंबर माह के अंत तक डमी प्रवेश-पत्र जारी करेगा। जिसे स्कूल प्राचार्यों द्वारा डाउनलोड कर छात्र-छात्राओं को वितरित करना होगा। प्रवेश-पत्र या नामांकन कार्ड में कोई त्रुटि होने पर विद्यार्थी को मंडल द्वारा तय तारीख में संशोधन करना होगा। अब इन छात्रों को लेट फीस के तौर पर 12 हजार रुपए देना होंगे। यह छात्र परीक्षा शुरू होने के 10 दिन पूर्व तक परीक्षा फॉर्म जमा कर सकते हैं। अब तक 18 लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म जमा कर चुके हैं। माशिमं ने ऐसे छात्रों के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने का एक और मौका दिया है, जिन्होंने अब तक परीक्षा फॉर्म जमा नहीं किया है।

मुख्यमंत्री ने देर रात किया निरीक्षण, बांटे कंबल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार की देर रात्रि वाजपेयी कॉलोनी ईदगाह हिल्स में नगर निगम द्वारा संचालित सामुदायिक आश्रय स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। साथ ही गरीबों को कंबल भी वितरित किए।

अतिथि विद्वान अब अपना तैनाती स्थान परिवर्तन करा सकेंगे

22 से 25 दिसंबर तक अपना विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेशभर के सरकारी कालेजों में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों के लिए अच्छी खबर है। अब यह अतिथि विद्वान अपना तैनाती स्थान परिवर्तन करा सकेंगे। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया सत्र 2023-24 के लिए द्वितीय चरण की समय सारणी में एक अकादमिक सत्र में एक बार पद रिक्त होने की स्थिति में स्थान परिवर्तन की सुविधा दी गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश में कहा गया है कि वर्तमान में कार्यरत अर्ह एवं प्रदेश के मूल निवासी अतिथि विद्वान 15 दिसंबर को जारी समय सारिणी के अनुसार 22 से 25 दिसंबर तक अपना विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं।

कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष करने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अधिकारी कर्मचारियों की रिटायरमेंट आयु में असमानता को दूर करने तथा प्रदेश के द्वितीय श्रेणी तृतीय श्रेणी चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी की रिटायरमेंट उम्र एक समान 65 वर्ष करने की मांग मप्र कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप कर रखी है। मंच प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि प्रदेश में अधिकारियों कर्मचारियों को 58 वर्ष 60 वर्ष 62 वर्ष 65 वर्ष में रिटायरमेंट किया जा रहा है प्रदेश में अधिकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में असमानता है सरकार की सेवानिवृत्ति नीति भेदभावपूर्ण है जबकि सभी अधिकारी कर्मचारियों की नियुक्ति की सेवा शर्तें एक समान है भत्ते एवं अन्य लाभ, स्थानांतरण नीति रिटायरमेंट पेंशन , अवकाश नगरीकरण उपादान का भुगतान एक समान नियम से किया जाता है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन, समानता की अपील

मेट्रो एंकर

प्रदेश के दिव्यांगों को राहत, परिवहन आयुक्त ने दिए निर्देश

बस किराए में मिलेगी 50 प्रतिशत छूट, दिखाना होगा यूडीआईडी कार्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राहत भरी खबर है। अब दिव्यांग व्यक्तियों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। राज्य शासन ने प्रदेश की सभी प्रक्रम बस सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट देने के निर्देश दिये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को यूडीआईडी कार्ड दिखाने पर यह छूट मिल जायेगी। परिवहन आयुक्त द्वारा प्रदेश के सभी क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये गये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को दिव्यांगजन सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के रूप में केन्द्र या राज्य शासन द्वारा जारी यूनीक डिसऐबिलिटीज आई.डी. कार्ड प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट का लाभ दें।

दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड दिये जा रहे

केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा यूनीक आई.डी. फॉर पर्सन विद डिसऐबिलिटीज (यूडीआईडी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसमें दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड दिये जा रहे हैं। कार्ड के माध्यम से दिव्यांग केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। यूडीआईडी कार्ड निर्माण में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है।

सुविचार

अपनी ऊर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।

-अज्ञात

संपादकीय

पुराना क्लब व संयुक्त सुरक्षा परिषद

किसी भी संस्था को जीवंत व असरदार बनाए रखने के लिये उसमें नयापन व बदलाव जरूरी होते हैं। यह बात अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर भी लागू होती है। इस मंच को सक्रिय और प्रभावी बनाए रखना है तो समय के साथ बदलाव को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना होगा। कम से कम भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की ताजा टिप्पणी के बाद तो यही लगता है।दरअसल जयशंकर ने हाल में एक कार्यक्रम में कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एक पुराने क्लब जैसी हो गई है जिसके सदस्य यह सोचकर नए सदस्यों का प्रवेश रोके रहते हैं कि इससे क्लब पर उनकी पकड़ ढीली न हो जाए या उनके फैसलों पर सवाल न उठने लगें। देखा जाए तो यह बहुत सख्त बयान है लेकिन इसके पीछे भी कुछ वजहें हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग नई नहीं है। अन्य देशों के साथ भारत भी लंबे समय से तमाम वैश्विक मंचों पर ऐसी मांग करता रहा है। हाल की बात करें तो इसी सितंबर में जी 20 देशों के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वैश्विक व्यवस्था को मौजूदा दौर की वास्तविकताओं पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने इस संदर्भ में विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का जिक्र किया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा की 78वीं बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने भी कहा था कि सुधार को स्वीकार न करने से संयुक्त राष्ट्र अप्रासंगिक होता जाएगा तथा लोग अपनी समस्याएं सुलझाने कहीं और जाने लगेंगे। खुद संयुक्त राष्ट्र के अंदर से भी सुधार की जरूरत बताई जाने लगी है। पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर जोर देते हुए कहा था कि यह संस्था पंगु होती जा रही है। अन्य देश भी इस तरह की मांग उठाते रहे हैं। इन मांगों को मौखिक समर्थन देते हुए भी सुरक्षा परिषद के पांचों स्थायी सदस्य देश इन्हें अमल में लाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के ठीक बाद जब संयुक्त राष्ट्र के रूप में एक नया वैश्विक संगठन अस्तित्व में आया, तब वैश्विक हालात बिल्कुल अलग थे। भारत समेत एशिया और अफ्रीका के ज्यादातर देश स्वतंत्र भी नहीं हुए थे। तब से अब तक स्थितियों में जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। कभी पांच ही देश परमाणु शक्ति संपन्न थे और ये सभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के तौर पर वीटो पावर से लैस थे लेकिन उसके बाद भारत जैसा देश न सिर्फ परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों के क्लब में आया बल्कि वह विश्व की बड़ी आर्थिक ताकत भी बन चुका है। मगर बदलती सचाइयों से आंखें मूंदे रहने का ही नतीजा है कि प्रायः सभी अहम मौकों पर यह मंच पूरी तरह से प्रभावहीन साबित होता है। ताजा उदाहरण इस्राइल-हमास जंग का है। जंग शुरू होने के ढाई महीने होने को आए, पर सुरक्षा परिषद अभी तक युद्धविराम का एक प्रस्ताव भी पास नहीं कर पाई है। यानि जब दूसरे देशों का ही इस तरह संस्था के प्रति मानस बनता जाएगा तो यह परिषद के लिये काफी मुश्किल भरा होगा। इसीलिये बदलाव को हर स्तर पर स्वीकार करना ही पुरानी संस्थाओं के लिये नया विकल्प होता है।

निशाना

उनको ही निमंत्रण !

-कृष्णेन्द्र राय

इनको नहीं बुलाया ।
उनको ही निमंत्रण ।।
जारी हुआ बयान ।
उतरे हैं कुछ रण ।।
बने रह कर चर्चा में ।
है करना कुछ खेल ।।
वरिष्ठों से हमारा पर ।
कम हुआ ना मेल ।।
है सबको अधिकार ।
किसको कहां बुलाए ।।
पर स्वाभाविक मन ।
जाने को ललचाए ।।
तू तू मैं मैं शायद ।
बंद न होने वाली ।।
भले सबका हाथ ।
रह ही जाए ख़ाली ।।

आज का इतिहास

- **1241** लाहौर पर मंगोलों के प्रमुख बहादुर तैर हुलागु खान ने कब्ज़ा कर लिया।
- **1769** चीन-बर्मी युद्ध 1765-69) संघर्ष से समाप्त हुआ।
- **1843** गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर के पिता देवेंद्र नाथ टैगोर ब्रह्म समाज में शामिल हुए।
- **1851** देश में पहली मालगाड़ी रूड़की से चलाई गई।
- **1886** प्रथम राष्ट्रीय लेखाकार सोसायटी का गठन अमेरिका में हुआ।
- **1891** 323 ब्रुसियन'फोटोग्राफी द्वारा खोजा जाने वाला पहला उल्कापिंड बन गया।
- **1910** अमेरिका में पहली बार जारी हुआ डाक बचत पत्र।
- **1940** मानवेन्द्र नाथ राय ने रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना की घोषणा की।
- **1941** - यूगोस्लाविया में मार्शल टीटो ने सेना की नयी बिग्रेड का गठन किया।
- **1947** इटली की संसद ने नया संविधान अंगीकार किया।
- **1972** निकारागुआ की राजधानी मानागुआ में आए 6.25 तीव्रता के भूकंप में 12 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई
- **1988** 258 यात्रियों के साथ पैन एम का जंबो जेट स्कॉटिश सीमा के पास लॉकरबी शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।
- **1989** डेनवर में माइनस 18 डिग्री फ़ारेनहाइट, कंसेस सिटी, मिसौरी में कॉन्सुला, डेनवर में -42 डिग्री फ़ारेनहाइट, स्कॉट्सब्रास्का -47 डिग्री फ़ारेनहाइट, हार्डिन मॉन्ट एफ़ और ब्लैक हिल्स साउथ डकोटा में -60 डिग्री फ़ारेनहाइट।
- **1997** हुसैन फराह एडिड ने सोमालिया की पूर्व जन्म की विवादित उपाधि को त्याग दिया।
- **2001** उत्तरी गठबंधन के बुरहानुद्दीन रब्बानी ने अफगानिस्तान में सत्ता हामिद करजई के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को सौंप दी।

भतीजे को बसपा की कमान युवा चेहरा देने की कोशिश

मूल दलित आधार मजबूत करने पर बसपा की नजर

अजय बोस

लोकसभा चुनाव अब चंद माह दूर हैं। लेकिन उससे ठीक पहले बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा अपने 28 वर्षीय भतीजे आकाश आनंद को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने का फैसला उनकी थकी हुई और राजनीतिक परिदृश्य से तेजी से ओझल होती पार्टी को युवा रूप देने की एक हताश कोशिश लगती है। उनके इस कदम का मुख्य उद्देश्य यह है कि पार्टी से युवा दलित समर्थकों का पलायन रोका जाए, जिनमें उनकी अपनी जाटव उपजाति के लोग भी शामिल हैं, जो चुनावों में दुर्भाग्यपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अभी हाल तक पार्टी के वफादार बने हुए थे। लंदन से शिक्षाप्राप्त व एमबीए डिग्रीधारक युवा को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त कर मायावती एक ऐसे राजनीतिक दल को आधुनिक चेहरा देने की उम्मीद कर रही हैं, जो वक्त के साथ तेजी से पिछड़ता जा रहा है।

हालांकि इसका कतई यह मतलब नहीं कि बहन जी का सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का कोई इरादा है। उन्होंने यह बिल्कुल साफ कर दिया है कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्य उत्तराखंड उनके ही क्षेत्र रहेंगे, जबकि उनका भतीजा देश के दूसरे स्थानों पर पार्टी के हितों की देखभाल करेगा। हालांकि इसमें संदेह नहीं कि मायावती पार्टी के भीतर पहले की तरह ताकतवर बनी रहेंगी और युवा बसपा नेता उनके इशारों पर ही चलेंगे। अपने गुरु कांशीराम की तरह अपने उथल-पुथल भरे राजनीतिक कॅरिअर के ज्यादातर समय के दौरान वंशवादी राजनीति से दूरी बनाए रखने वाली बहन जी ने पहली बार अपनी पुरानी सोच से हटने के संकेत करीब पांच साल पहले 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद दिए, जब उन्होंने अपने छोटे भाई आनंद कुमार को बसपा का उपाध्यक्ष और उनके बेटे आकाश को राष्ट्रीय समन्वयक बनाया। हालांकि पूरे परिवार में आनंद उनका चहेता माना जाता रहा है, लेकिन जब वह सत्ता में थी, तब भी उन्होंने आनंद को पार्टी या सरकार के भीतर कोई पद लेने से हतोत्साहित ही किया। अब अगर मायावती अपने भतीजे आकाश को बसपा के भविष्य के रूप में देख रही हैं, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि कई वर्षों से बसपा में कांशीराम द्वारा शुरू किए गए सामाजिक- राजनीतिक आंदोलन की झलक मिलनी बंद हो चुकी है और अब वह भी दूसरे राजनीतिक दलों की तरह एक नेता- केंद्रित पार्टी बन गई है। अपने उत्कर्ष के दिनों में जब बहनजी की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अपनी महानता के चरम पर थीं, तब उन्होंने जमीनी पार्टी समन्वयकों और प्रमुख नौकरशाहों व राजनीतिक सलाहकारों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की थी। लेकिन आज जब वह राजनीतिक मोर्चे पर तेज व अपरिवर्तनीय गिरावट का सामना कर रही हैं, यह मॉडल उनके किसी काम का नहीं साबित हो पा रहा है और भारतीय राजनीति के बदलते माहौल में अपना अस्तित्व बचाने के लिए अपने परिवार की तरफ रुख करने के अलावा शायद उनके पास दूसरा कोई विकल्प बचा नहीं है।

दुर्भाग्यवश बसपा सुप्रीमो और उनके युवा राजनीतिक उत्तराधिकारी के लिए उस पार्टी को संभालने का यह आसान समय नहीं है, जिसने भारतीय राजनीति में एक नए युग का सूत्रपात करने का वादा किया था। देश भर में बार-बार चुनावी पराजय बसपा के लिए सामान्य बात हो गई है। पिछले साल पार्टी को अपने गढ़ उत्तर प्रदेश में करारा झटका लगा था, जब वह राज्य विधानसभा चुनाव में 403 सदस्यीय विधानसभा में महज एक सीट पर सिमट गई थी, जो अब तक उसका सबसे खराब प्रदर्शन भी था। देश के दूसरे हिस्सों में भी बसपा की हालत खराब ही होती जा रही है। चार राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में विधानसभा चुनावों का हालिया दौर बसपा के कमजोर से भी कमजोर स्थिति तक पहुंचने की दुखद कहानी बताता है, बावजूद इसके कि इन चारों राज्यों में मायावती, उनके भाई आनंद कुमार और भतीजे आकाश ने प्रचार अभियान में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। राजस्थान में जहां मायावती ने आठ रैलियां कीं, वहां बसपा की सीटों की संख्या पिछले चुनाव के छह से घटकर इस बार सिर्फ दो रह गईं और उनका वोट प्रतिशत भी चार फीसदी से गिरकर सिर्फ 1.8 फीसदी रह गया। मध्य प्रदेश में बहनजी ने नौ चुनावी सभाओं को संबोधित किया था, पर उनकी पार्टी को एक सीट भी नहीं मिली। हालांकि पिछले चुनावों में बसपा को दो सीटे मिली थीं। छत्तीसगढ़ में भी उसकी झोली खाली रही और वोट शेयर भी आधा हो गया। बसपा के लिए तेलंगाना की स्थिति भी बुरी रही, जहां मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी के लिए एक पूर्व आईपीएस अधिकारी के होने के बावजूद बसपा बमुश्किल एक फीसदी वोट पा सकी। विदेशी शिक्षा प्राप्त अपने युवा भतीजे को आगे बढ़ाकर बसपा को पुनर्जीवित करने की उनकी कोशिशों में दम नहीं दिखता, क्योंकि पार्टी में अब पहले जैसा वैचारिक साहस और संगठनात्मक गतिशीलता नहीं दिखती, जिसके दम पर एक-डेढ़ दशक पहले बसपा ने खासकर उत्तर प्रदेश और सामान्य तौर पर पूरे देश की राजनीति में भूचाल ला दिया था। अब कुछ ही दलित होंगे, जो बहन जी को ऐसा नेता मानते हों, जो सदियों से चले आ रहे उनके उत्पीड़न को रोककर उनकी जिंदगी में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं।

एक वक्त था, जब बसपा सुप्रीमो को खासकर उत्तर प्रदेश में मुस्लिमों का पूरा समर्थन मिला हुआ था, लेकिन अब अल्पसंख्यक समुदाय के ज्यादातर लोगों को विश्वास हो चला है कि वह सत्तासीन मोदी सरकार के इशारों पर काम करती हैं, जो उनकी पार्टी का इस्तेमाल अल्पसंख्यक और दलित वोटों को बांटने के लिए कर रही थी, जिससे चुनावों में भाजपा को फायदा पहुंचे। मायावती ने हाल ही में दो बेहद लोकप्रिय युवा मुस्लिम नेता इमरान मसूद और दानिश अली को खो दिया, जिनमें से एक को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निष्कासित और दूसरे को निलंबित कर दिया गया। मसूद पहले ही अपनी मूल पार्टी कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं और अली के भी उनके ही नक्शेकदम पर चलने की संभावना है। अपने मूल दलित आधार को तेजी से खोती और पार्टी से खफा मुस्लिमों की बढती संख्या को देखते हुए बसपा को अपने वर्तमान गतिरोध से बाहर निकलने के लिए किसी राजनीतिक चमत्कार की जरूरत है। बहन जी के लिए यह एक शानदार कॅरियर का अपमानजनक अंत दिख रहा है। उनके भतीजे के उड़ान भरने से पहले ही उसके गिरने की आशंका बिल्कुल स्पष्ट है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

बदलाव की बयार से घाटी में जीवन संवार

हरीश मलिक

श्रीनगर एयरपोर्ट के बाहर ड्राइवरों का हुजूम है। आगन्तुक मेहमानों के नामों की तख्तियां हाथों में हैं। इन पर एक नजर डालें तो सत्तर फीसदी नाम हिंदू, दो-चार विदेशी और बाकी कश्मीर मूल के हैं। ये तख्तियां सिर्फ नामों का संकेत भर नहीं हैं, बल्कि बताती हैं कि कभी आतंक से जूझ रहा राज्य जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद किस तेजी से अमन की डगर पर आगे बढ़ चला है। यही वजह है कि धरती के स्वर्ग का दीदार करने के लिए यहां आने वाले पर्यटकों के आंकड़े नित नये रिकॉर्ड बना रहे हैं। जिन हाथों में तख्तियां हैं, उनमें अधिकांश युवा हैं और वे तहेदिल से अपने मेहमानों का इस्तकबाल कर रहे हैं। कभी युवाओं के हाथों में पत्थर-हथियार हुआ करते थे। मगर अब कश्मीर घाटी का युवा पत्थरबाजी-प्रदर्शन और हिंसा को छो?कर शांति की बयार में रोजगार से जीवन संवार रहा है। अब उसके दिल में सिर्फ कश्मीर और कश्मीरियत की चाहत ही नहीं, बल्कि वह भारत को भी लख्ते-जिगर की तरह चाहता है। तभी तो आर्टिकल-370 के निरस्त होने के बाद बड़ी संख्या में कश्मीरी युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा करने को भी आतुर हैं।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 और 35-ए को निरस्त किए जाने की चौथी सालगिरह के चार महीने बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने संसद के फैसले पर संवैधानिक मुहर लगा दी है। लेकिन कश्मीर घाटी की आबोहवा संसद के फैसले के साथ ही बदलनी शुरू हो गई थी। पूरे जम्मू कश्मीर से सरहद तक अब आतंक की नहीं बल्कि तरक्की की बातें हो रही हैं। श्रीनगर के लाल चौक से लेकर गांवों-शहरों में सरकारी इमारतों और सरहद तक हर ओर तिरंगा लहरा रहा है। कश्मीर में अब सड़कों पर न पत्थरबाज दिखते हैं और न ही राष्ट्र विरोधी प्रदर्शन करने वाले। एक समय वह भी था जबकि पत्थरबाजी की घटनाएं आम होती थीं। यहां तक कि इनमें लोगों की मौत भी हो जाती थी। लेकिन आर्टिकल 370 खत्म होने के बाद पत्थरबाजी में लगातार कमी आई है। सरकारी आंक?ों के मुताबिक, आतंकवादी-अलगाववादी एजेंडा के तहत 2018 में जहां 1767 संगठित पत्थर फेंकने की घटनाएं हुईं, वहीं इस साल ये नगण्य हैं।कश्मीर घाटी में बदलाव की बयार के पीछे जो सबसे बड़ी वजह बने हैं, उन्हीं कुछ युवाओं से गुफ्तगू करते हैं तो फॉग की तरह बातें भी साफ होने लगी हैं। श्रीनगर से गुलमर्ग जाते हुए युवा वसीम आरिफ साफ-साफ स्वीकार करते हैं कि केंद्र सरकार के निर्णय ने पिछले करीब साढ़े चार वर्षों में जम्मू-कश्मीर की तसवीर और यहां के लोगों की तकदीर बदलने का काम किया है। जम्मू-कश्मीर में चाहे जिस पार्टी की भी सरकार रही हो, जिस भी दल के नेता रहे हों, उन्होंने सिर्फ अपना और अपने परिवार का ही भला किया है। कश्मीर के अवाम, युवाओं के भविष्य और रोजगार पर कभी फोकस नहीं किया। रही-सही कसर कश्मीर पुलिस ने पूरी कर दी। उसने सिर्फ अपना गुड वर्क दिखाने और प्रमोशन पाने के लिए ऐसे-ऐसे निर्दोष युवाओं को पकड़ा, जिनका अपराध या आतंक से दूर-दूर तक वास्ता न था। वे बताते हैं कि इंडियन आर्मी ने कभी ऐसा काम नहीं किया, इसलिए हम कश्मीरी भारतीय फौज का बहुत सम्मान करते हैं। वसीम की ही बात को डल झील में शिकारे पर कहवा बेच रहा आदिल आगे बढ़ाता है। वो पढ़ाई कर रहा है और समय मिलने पर कहवा से कोचिंग फीस का खर्च निकाल लेता है। आदिल का लक्ष्य इंडियन आर्मी की सर्विस है। उसका चचेरा बड़ा भाई भी फौज में है।

गुलमर्ग के पढ़े-लिखे गाइड अमहद खान के मुताबिक, पहले तो अच्छी नौकरी के अभाव में ये हालात थे कि इंजीनियरिंग, पीएचडी करने के बाद भी युवा यहां किराये की गाड़ी चलाने को मजबूर थे। तब सियासतदानों को युवाओं के भविष्य से कोई लेना- देना नहीं था। लेकिन अब केंद्र शासित प्रदेश बनने, भारत सरकार के कानून और योजनाएं लागू होने से महिलाओं को अधिकार और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। यही वजह है कि अब युवा पत्थरबाजी या हथियार उठाने के बजाय अमन और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध करने के जतन कर रहा है।आंकड़ों में बात करें तो उनकी बात सच के बेहद करीब है। कुछ इलाकों में आतंकी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा बलों के सख्त रुख के चलते ज्यादातर अलगाववादी और उनके मददगार गायब होने लगे हैं। बदले हालात में एलओसी पर भी शांति है और सरहद पार की बंदूकें खामोश हैं। आतंकी घटनाओं के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति, चाक-चौबंद सुरक्षा बंदोबस्त के चलते आतंकियों ने घुटने टेक दिए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018 से 2022 के बीच आतंकी गतिविधियों में 45.2 फीसदी की कमी आई है। आतंकी भर्ती से भी युवाओं ने मुंह मोड़ लिया है। यह आंकड़ा 2018 में 199 था, जो 2023 में घटकर सिर्फ 12 रह गया है। यही नहीं इससे घुसपैठ पर भी करारा प्रहार हुआ। घुसपैठ की घटनाएं भी 2018 में 143 के मुकाबले 2022 में सिर्फ 14 ही रह गई हैं।

श्रीनगर से पहलगाम जाते हुए कश्मीरी केसर के खेतों के पास झेलम प्लाजा में बादामवीर शोरूम के मालिक आफताब आर्टिकल 370 के खातमे पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर लगने से खुश हैं। वे कहते हैं कि इस फैसले से पहले अलगाववादियों की शह पर सूबे में होने वाले बंद, हड़ताल और पत्थरबाजी से न केवल राज्य की आर्थिक सेहत पर बल्कि पूरे समाज पर बुरा असर पड़ता था। तब स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, और इंडस्ट्रीज का बंद होना रोज की बात थी। लेकिन अब स्कूल, कॉलेज और व्यापार बदस्तूर चल रहे हैं। यहां के छात्र और व्यापारी वर्ग देश की मुख्यधारा से जु?ते दिख रहे हैं। दरअसल, ऐसा इसलिए भी संभव हुआ है, क्योंकि सरकार ने जनता की बेहतरी की कई योजनाएं शुरू की हैं। घाटी में औद्योगिक विकास के लिए केंद्र ने 28400 करोड़ रुपये का बजट रखा है। आर्थिक नीति का असर है कि जम्मू-कश्मीर में 78000 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश के प्रस्ताव आ चुके हैं। इस निवेश और आर्टिकल 370 के खातमे से निश्चित रूप से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह सही है कि आर्टिकल 370 अस्थायी था और इसका प्रावधान तत्कालीन युद्ध की स्थिति के चलते किया गया। यही कारण है कि इसे संविधान के भाग 21 में रखा गया था। लेकिन बाद में सियासतदानों ने स्वार्थ की राजनीति के चलते इसे हटाने की कोई मंशा नहीं दिखाई। बहरहाल, संसद के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कश्मीर पर हर भारतीय का और कश्मीरियों का संपूर्ण देश पर समान हक है। शीर्ष अदालत के इस आदेश ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्राः संकल्प यात्रा कार्यक्रम का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा कर, ली शासकीय योजनाओं की जानकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा सुचारु रुप से जारी है। संकल्प यात्रा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निकली जा रही है, जिसमें केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। बुधवार को नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम रजोराकुर्मी में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं में लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों से चर्चा उपरांत उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने पंचायत और स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि आयुष्मान के शेष पात्र हितग्राहियों के रजिस्ट्रेशन करवाएं। शिविर के दौरान सुरक्षा बीमा एवं जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन कराएं जाएं।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा कर जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना सीमांकन, योजनाओं के क्षेत्र में क्रियान्वयन की जानकारी ली।निरीक्षण की दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, पंचायत, राजस्व,इत्यादि विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सिवनीमालवा प्रमोद गुर्जर, जनपद सीईओ सिवनीमालवा श्रुति चौधरी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बुधवार को जनपद सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत रजोराजाट और रजोराकुर्मी, जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत मरकाढाना और पोसेरा, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत कालाआखर और चारटेकरा, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत चांदोन और देवरी, जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत आंचलखेड़ा और मनवाड़ में तथा जनपद सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गलचा एवं भानपुर में संकल्प यात्रा पहुंची और यहां हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संकल्प यात्रा का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा सुचारु रुप से जारी हैं। संकल्प यात्रा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निकली जा रही है, जिसमें केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। बुधवार को नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम रजोराकुर्मी में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं में लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों से चर्चा उपरांत उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने पंचायत और स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि आयुष्मान के शेष पात्र हितग्राहियों के रजिस्ट्रेशन करवाएं। शिविर के दौरान सुरक्षा बीमा एवं जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन कराएं जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणों से चर्चा कर जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना सीमांकन, योजनाओं के क्षेत्र में क्रियान्वयन की जानकारी ली।निरीक्षण की दौरान कलेक्टर ने शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, पंचायत, राजस्व , इत्यादि विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सिवनीमालवा प्रमोद गुर्जर, जनपद सीईओ श्रुति चौधरी मृगेंद्र सिंह मंडलोई रघुवीर सिंह राजपूत सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच का अनूठा आयोजन

उत्कृष्ट खिलाड़ियों का किया सम्मान, संत गाडगे को भी किया गया याद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बुधवार को नेहरू पार्क में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के तत्वाधान में नर्मदापुरम जिले के उन ख्यातिनाम खिलाड़ियों का सम्मान किया गया जिन्होंने प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर नर्मदा पुरम के मान सम्मान को राष्टीय पटल पर अंकित किया।

बुधवार को राष्टीय संत गाडगे जयंती होने पर कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों एवं संस्था के सदस्यों ने संत श्री को पुष्पांजलि अर्पित की। संत श्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संबोधित करते हुए संस्था के संरक्षक केएस राजपूत भागचंद बरगले लखन रघुवंशी डॉक्टर मयंक तोमर डॉ सुरेंद्रजीत सिंह मोहम्मद आदिल खान ओम प्रकाश मालवी ने कहा कि संत गाडगे सामाजिक समरसता के प्रेरणा स्रोत थे. उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय कार्य किए।

इस अवसर पर अशोक दिवोलिया डा सुरेन्द्र जीत सिंह ओपी तिवारी आरके सैनी रमेश गोप लानी हेमंत शर्मा, के एस राजपूत आदिल फाजली जमील खान भागचंद बरगले डा. मयंक तोमर रमेश सोनी प्रदीप द्विवेदी किरण शर्मा जय बाला निगम के साथ ही संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे. सर्व धर्म सर्व वर्ग सद्भाव से जुड़े इस कार्यक्रम का संचालन अरुण दीक्षित द्वारा किया गया।

नर्मदापुरम के खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

विगत दिनों प्रदेश स्तर पर आयोजित खेल स्पर्धा में नर्मदापुरम के उत्कृष्ट एवं होनहार खिलाडियों ने गोल्ड मेडल जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। नर्मदापुरम जिले में पदस्थ जिला खेल अधिकारी उमा पटेल जो की एक अच्छी वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी है। उन्होंने उज्जैन में आयोजित प्रदेश स्तरीय स्पर्धा में तीन गोल्ड मेडल जीतकर नर्मदा पुरम के अलावा प्रदेश के खेल विभाग का भी गौरव बढ़ाया. प्रदेश स्तरीय स्पर्धा में नर्मदा पुरम कलेक्ट्रेट के अधिकारी के एन त्रिपाठी ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मेडल जीते.इनके अलावा शकील खान नरेंद्र तिवारी नंदकिशोर रघुवंशी रवीश ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके मेडल प्राप्त किए. इन सभी खिलाड़ियों का संस्था द्वारा सम्मान किया गया।

नर्मदा कॉलेज में इंटरएक्टिव बोर्ड के उपयोग पर शिक्षकों के लिए हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा महाविद्यालय के आईक्यूएसी के द्वारा शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका लक्ष्य प्राध्यापकों को इंटरएक्टिव बोर्ड के उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना था। समकालीन परिदृश्य में, आईसीटी सक्षम तकनीकों के माध्यम से शिक्षण की अत्यधिक आवश्यकता है।

प्रशिक्षण का प्रारम्भ डॉ. कमल वाधवा के परिचय एवं स्वागत भाषण से हुआश। प्राचार्य डॉ. ओ.एन. चौबे ने आईसीटी सक्षम उपकरणों के उपयोग की सख्त आवश्यकता के बारे में बताया और प्रशिक्षण के उद्देश्य को उजागर किया। उन्होंने शिक्षकों से उन्नत आधुनिक तकनीक से अपडेट रहने का आह्वान किया। ग्लोबस कंपनी के पुनीत ने इंटरएक्टिव बोर्ड के उपयोग पर जानकारी साझा की। उन्होंने सिस्टम को शुरू से खोलने से लेकर बंद करने तक की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। कि कैसे स्क्रीन पर अलग-अलग आइकन दिए जाते हैं. इन्हें कोई भी जरूरत के हिसाब से छूकर इस्तेमाल कर सकता है। शिक्षण को प्रभावी, संवादात्मक, रोचक, बहुआयामी बनाने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है। इंटरैक्टिव बोर्ड के उपयोग के बारे में उनके द्वारा प्रस्तुत स्थूल दृष्टिकोण ने संकाय सदस्यों के लिए एक प्रोत्साहन के रूप में काम किया।

एक ही मंच पर शिक्षण के अनेक विकल्पों की उपलब्धता ने शिक्षकों को लाभान्वित किया। यह सभी प्रतिभागियों के लिए एक अत्यंत समृद्ध अनुभव था। व्याख्यान के बाद उनका व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र हुआ। चेतना, नीता, प्रतीत ने प्रशिक्षण के बारे में जानने के लिए बोर्ड पर काम किया। कार्यक्रम में कमल वाधवा, रवि उपाध्याय, बी.एस. आर्य, ममता गर्ग, मीना कीर, शबनम कुरेशी, सचिन, चेतना, मेघा, नितिन, मुकेश, नीता, दीपा, रीनू, राकेश खापरे, शाहिद आदि उपस्थित रहे।

बोरवेल के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

विदिशा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने बोरवेल के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (1) के तहत अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों व बोरवेल मे छोटे बच्चों के गिरने से रोके जाने के संबंध में विदिशा जिले में अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों (बोरवेलध्ट्यूबवेल) में छोटे बच्चों के गिरने संबंधी दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने व नियंत्रण की कार्यवाही हेतु संपूर्ण विदिशा जिले की राजस्व सीमाओं में प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया गया है। कलेक्टर श्री भार्गव के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि विदिशा जिले के समस्त अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों (बोरवेल ध् ट्यूबवेल) की जानकारी एकत्रित कर उन्हें सुरक्षित रूप से बंद करने की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जाए।

जरूरतमंद बुजुर्गों को कंबल का वितरण किया गया

नर्मदापुरम। जिले के इटारसी में यातायात व्यवस्था को बेहतर किए जाने के लिए प्रशासन एवं पुलिस के द्वारा जॉइंट भ्रमण किया गया। साथ ही रेन बसेरा नगरपालिका इटारसी का निरीक्षण किया गया एवं ज़रूरतमंद बुजुर्ग व्यक्ति को कंबल का वितरण किया गया। अलाव की व्यवस्था करवाई गई। इस दौरान एसडीएम इटारसी श्रीमती नीता कोरी, एसडीओपी इटारसी महेंद्र चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात, पार्किंग व्यवस्था समेत कई पर समिति ने निर्णय लिए

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

विदिशा, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री समीर यादव, जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्मा, नगर पालिका सीएमओ श्री सुधीर शर्मा समेत समिति के अन्य सदस्य गण मौजूद रहे।

बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक के एजेंडा बिंदुओं पर समिति द्वारा विस्तृत चर्चा की गई इसके उपरांत शहर में यातायात व्यवस्था सुगम बनाने तथा मुख्य बाजार से अतिक्रमण हटाए जाने पर बल दिया गया।

कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने कहा कि शहर में अतिक्रमण किए जाने की समस्या अधिक है इस हेतु उन्होंने विदिशा नगरीय क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए मुख्य बाजार से लेकर जिन जिन क्षेत्रों में अतिक्रमण की समस्या है वहां अतिक्रमण हटाए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि अतिक्रमण हटाने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र मुहिम शुरू करें। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण की मुहिम शुरू करने के एक दिन पहले इन क्षेत्रों में अनाउंस कर सूचना दें इसके उपरांत भी यदि उन क्षेत्रों में अतिक्रमण पाया जाता है तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था के मद्देनजर जेबरा क्रॉसिंग अति आवश्यक है, नेशनल हाईवे पर दुर्घटनाओं को रोकने तथा घायलों को उपचार हेतु एंबुलेंस की व्यवस्था क्रियान्वित है। विशेष कर बागरोद से ग्यारसपुर के बीच एक एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अलावा शहर में अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाने की कार्यवाही भी नियमानुसार संपादित कराए जाने हेतु निर्देशित किया है।समिति के सदस्यों द्वारा बैठक में निर्णय लिया गया कि विदिशा के मुख्य बाजार से लेकर माधवगंज क्षेत्र में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मालवीय उद्यान के पास ठेला व्यवसायियों के लिए रोड के किनारे चूना डालकर लाइन बनाई जाएगी। ठेला व्यवसायी लाइन के अंदर रहकर ही व्यापार कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर

फुटकर व्यापारियों को अफसरों ने नियम कानून समझाएं

बैठकः शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार एवं मांस मटन की दुकान को निर्धारित स्थान पर लगाने दी समझाइश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा स्थानीय प्रशासन द्वारा एसडीएम प्रमोद गुर्जर द्वारा सिवनी मालवा क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था हेतु बस,ऑटो चालकों,व्यापारियों एवं मांस मटन फल,सब्जी की दुकानदारों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी को समझाइए दी गई की सभी के सहयोग से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था व्यवस्थित करना है इसमें सभी को यह निर्देश दिए गए निर्धारित स्थान पर ही बसों का स्टाप रहेगा एवं ऑटो को भी दिए गए स्थान पर ही पार्किंग करना है इसके साथ ही मांस मटन फल सब्जी की दुकानों को भी निर्धारित स्थान पर ही लगाना है ताकि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था व्यवस्थित रह सके इसमें जो भी दुकानदार,ऑटो चालक बस चालक नियमों का पालन नहीं करेंगे उन पर चालानी कार्रवाई की जावेगी, जिसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। नगर पालिका हाल में हुई बैठक में एसडीम प्रमोद सिंह गुर्जर,सीएमओ शीतल भलावी,थाना प्रभारी सज्जन सिंह मुकाती,मुख्य लिपिक संजय गोयल,राजस्व उप निरीक्षक अमर सिंह उइके, स्वच्छता निरीक्षक डॉक्टर प्रशांत कुमार शर्मा,सचिन मलैया,अशोक मीना,समस्त व्यापारी संघ के प्रतिनिधि,पत्रकार ,बस ऑटो चालक एवं अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

इसका कहना है

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से व्यापारी संघ बस,ऑटो संघ, फल सब्जी मांस मटन की दुकान लगाने वाले दुकानदारों के साथ बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी को नियम का पालन करते हुए अपना व्यवसाय करने के निर्देश दिए गए

प्रमोद सिंह गुर्जर,अनुविभागीय अधिकारी

नगर निकाय द्वारा निर्धारित स्थान के अलावा बिना अनुमति के मांस मटन,फल सब्जी की दुकान लगाने वाले दुकानदारों पर समझाइए दी गई हैं दोबारा नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है ताकि शहर को स्वच्छ और सुंदर करने में सभी का सहयोग मिल सके

शीतल भलावी,मुख्य नगर पालिका अधिकारी

पीसीसी चीफ के पदभार ग्रहण करने पर, शोएब खान एवं उनके समर्थको ने किया जोरदार स्वागत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मध्य प्रदेश प्रकोष्ठ के जिले के प्रभारी एडवोकेट शोएब खान अपने समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल पहुंचे जहां उन्होंने पहुंच कर नव नियुक्त कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का स्वागत किया एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गणों विधायकों से मुलाकात की कांग्रेस विधायक दिनेश गुर्जर से मिले भोपाल पदभार संभालने आए जीतू पटवारी ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर मेहनत करने एवं आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी के लिए समर्पित रहने की बात करी इस मौके पर हाफिज कमर मोहम्मद शुजा आदि कांग्रेस कार्यकरता उपस्थित रहे।

नगर पालिका की चेतावनी के बाद, मंडी बाईपास रोड से लोगों ने खुद हटाया अतिक्रमण व टीन शेट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाने के लिए प्रतिदिन कार्रवाई करने के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत नगर पालिका अमले के द्वारा अतिक्रमण धारियों पर कार्रवाई की जा रही है। दूसरी ओर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को अलॉटमेंट के माध्यम से खुद ही अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी देकर सूचित भी किया जा रहा है । जिसके चलते बुधवार को मंडी बाईपास रोड पर बड़ी संख्या में दुकानदार सुबह से ही अपने टीन सेट खोल कर उनको हटाते हुए दिखाई दिए इस तरह का नजारा पहले कभी देखने को मिल जिस तरह का नजारा इन दिनों देखने को मिला क्योंकि नगर पालिका परिषद के अतिक्रमण विरोधी अभियान प्रभारी संजीव यादव के द्वारा लगातार अतिक्रमण करने वालों पर चलने कार्रवाई के साथ सामान को भी जप्त किया जा रहा है। इस वजह से दुकानदारों को सामान जप्त होने तथा चालानी कार्रवाई डर सतारा इस वजह से स्वयं ही अतिक्रमण हटाने में जुट गए हैं।

एक कमरे और बोर्ड लगाकर नगर में संचालित हो रहे हैं शासन से अनुदान लेकर मदरसे

कब होगी इनकी जांच, शिकायत के बाद भी कारवाई का इंतजार

सईद खान, सिरोंज,

सीएम बदलने के बाद कई विभागों में अधिकारियों के द्वारा धरातल पर गड़बड़ी से काम करने वालों पर लगाम लगाना प्रारंभ कर दिया है। विकासखंड में 40 से अधिक संख्या में शासन अनुदान लेकर मदरसे संचालित हो रहे हैं। इनमें से अधिकांश मदरसे केवल कागजों में ही चल रहे हैं इनके स्थान की जानकारी जुटान भी मुश्किल काम है , कुछ मदरसे ऐसे भी बताया जा रहे हैं जो एक कमरे में चलते आ रहे हैं ह कुछ ऐसे मदरसो भी है जिनके कागजी खानापूर्ति करने के लिए केवल बोर्ड लगाते हैं। कहां चल रहे हैं इनमें कब पढ़ाई होती है होती भी है नहीं होती है कितने बच्चे हैं इसकी जानकारी धरातल पर तो होती नहीं है पर कागजों में जरूर उनकी संख्या बहुत ज्यादा बताई जाती है बच्चों की संख्या के आधार पर ही टीचरों और अन्य शासन की सुविधाओं का लाभ इन मदरस संचालकों को प्राप्त होता है।

शासन से अनुदान लेकर चलने वाले अधिकांश मदरसे केवल कागजों में संचारित हो रहे हैं इन औ में फर्जी तरीके से बच्चों को अध्ययन करवाने का काम मदरस संचालकों के द्वारा किया जा रहा है। सांठगांठ की वजह से खानापूर्ति भी कागजों में ही होती है जब भी बाहर से कोई जांच टीम या वेरिफिकेशन होता तो पहले से इनको जानकारी मिल जाती है। उस हिसाब से व्यवस्था करवा कर जांच के नाम पर औपचारिकता करवा दी जाती है। अधिकांश मदरसे केवल कागजों में ही चल रहा है इसकी जानकारी सभी को है पर जिम्मेदारी भी अंजान बने हुए हैं। मदरसो की जब जमीन हकीकत की पड़ताल करने की कोशिश की तो कुछ और ही सामने आया जिन क्षेत्रों में मदरसे संचालित हो रहे हैं उन्होंने बताया कि अधिकांश शासन से अनुदान लेने वाले मदरसे केवल एक कमरे और कुछ मदद से तो ऐसे हैं जो बोर्ड लगाकर ही संचालित हो रहा है ।जिनकी जानकारी ऊपर से लेकर नीचे तक के आला अधिकारियों को है पर किसी के द्वारा भी नियमों को ताक पर रखकर शासन अनुदान लेकर मद्रास का संचालन करके शासन की ग्रैंड ले रहे हैं। उन पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती है ना ही फर्जी तरीके से चल रहा है मदरसो को बंद करवाया जाता है। जबकि उनके द्वारा धरातल पर कुछ नहीं किया जा रहा है। ऐसे मदरसो की जांच पड़ताल करके कार्रवाई होनी चाहिए जो मदरसे शासन के नियमों के अनुसार संचारित हो रहे है ऐसे मदरसे संचालकों पर जांच के बाद कार्रवाई होनी चाहिए।

प्राइवेट में होती है पढ़ाई

शासन से अनुदान लेकर संचालित होने वाले अधिकांश मदरसे केवल कागजों में चल रहे हैं। दूसरी ओर प्राइवेट तौर पर संचालित होने वाले मदरसो में पढ़ाई भी करवाई जाती है । जिनका संचालन निजी व्यक्तियों एवं समाजसेवियों के माध्यम से हो रहा है। उनमें नियमित रूप से पढ़ाई भी होती है यहां पर बच्चों की अच्छी खासी तादाद भी देखने को मिलती है। इन में पढ़ने वाले बच्चों को दीनी शिक्षा भी प्राप्त हो रही है और शासन से अनुदान प्राप्त मदरसो में पढ़ाई के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति हो रही है।

फर्जीवाड़ा करने वालों के कारण अच्छे लोगों को भी होती है परेशानी

शासन से अनुदान लेकर संचारित होने वाले फर्जी मदरसो के कारण जिन लोगों के द्वारा अच्छे से मदरसो का संचालन किया जाता है उनको भी इनकी वजह से बदनामी का सामना करना पड़ता है। इसलिए ऐसे मदरस संचालक की पहचान करके गड़बड़ झाला करने वालों के कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए फर्जी मदरसो को तत्काल बंद करवाना चाहिए बच्चों के नाम पर शासन से राशि लेने वाले व अन्य सुविधा लेने वालों पर जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होगी तब तक इस तरह से गड़बड़ झाला करने का खेल चलता रहेगा इनको गलत तरीके से चालवाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर भी लगाम लगाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को कड़े कदम उठाने होंगे तब जाकर फर्जी वाला करने वालों पर लगाम लग पाएगी नहीं तो इनका गोरख धंधा इसी तरह चलता रहेगा ।

इनका कहना है-

कागजों में तो 40 के करीब मदरसे संचालित हो रहे वास्तव में चार-पांच मदरसे ही शासन नियम अनुसार संचारित हो रहे हैं। शेष कागजों में चल रहा है, इनकी जांच होनी चाहिए शासन से अनुदान लेकर गलत तरीके से बच्चों के नाम पर फर्जी वाला करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

सईद खान, वरिष्ठ पत्रकार

यदि गलत तरीके से शासन से अनुदान लेकर संचालित हो रहे हैं तो हम इनकी जांच करवा कर कार्रवाई करेंगे।

ओमप्रकाश रघुवंशी, बीआरसी

जांच के बाद खुल चुकी है पोल पर कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति

फर्जी तरीके से चलने वाले इन मदरसों की कई बार जमीन हकीकत सामने आ चुकी है पर हर बार कार्रवाई के नाम पर दिखावा करके मामले को रफा दफा कर दिया जाता है इस वजह से इन पर लगाम नहीं लगा पा रही है। विगत कुछ वर्ष पहले नियमों के बाद मदरसो के संचालन की शिकायत होने के बाद एसडीएम के निर्देश पर जांच टीम पहुंची तो फर्जी तरीके से चलने वाले मद्रासो की पोल खुल गई थी कुछ एक कमरे और कुछ केवल बोर्ड लगाकर ही संचारित हो रहा है। इनमें बच्चे तो मिले ही नहीं थे। उस समय थोड़ी बहुत कार्रवाई हुई फिर मामला ठंडा पड़ गया तो इनका खेल फिर से प्रारंभ हो गया है। हर महीने शासन से अनुदान खाना आदि व्यवस्थाओं के नाम पर एवं बच्चों को पढ़ने के लिए टीचरों के नाम पर भी राशि शासन से वसूलने का काम मदरस संचालकों के द्वारा किया जा रहा है। इनमें से कुछ लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है इनके द्वारा एक नई बड़ी संख्या में फर्जीवाड़ा करके इनका संचालन किया जा रहा है।जो केवल कागजों में ही संचालित हो रहे है। धरातल पर कहीं मदरसे नहीं चल रहे हैं यहां पर बच्चों के नाम भी केवल कागजों में ही है पढ़ाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। अब देखना है कि इस तरह से गड़बड़ी करके शासन से अनुदान लेने वाले फर्जी मदरस संचालकों पर कार्रवाई करने के लिए प्रशासन के द्वारा जांच करवाई जाएगी या नहीं।

ईदगाह की बाउन्ड्रीवाल का काम पूरा, आवारा मवेशी से पाक रहेगी ईदगाह

सिरोंज। ईदगाह में आवारा मवेशी प्रवेश कर गंदगी कर देती थी, इस वजह से ईदगाह कमेटी द्वारा ईदगाह के आसपास जाली लगाकर बाउन्ड्रीवाल का काम कई दिनों से चल रहा था जो लगभग पूरा हो गया है। कमेटी के लोगों ने इसका निरिक्षण किया इस दौरान एडवोकेट शोयेब खांन, हाफिज कमर मोहम्मद, पत्रकार अल्ताफ खांन, कवि गौरी आदि मोजूद थे।

धोखाधड़ी करके प्लांट बेचने करने वालों को अपर सत्र न्यायाधीश ने सुनाई 5 साल की सजा, लगाया अर्थ दंड

सिरोंज। अपर शास्त्र न्यायाधीश सुरेश मेश्राम ने धोखाधड़ी करके प्लांट का विक्रय संपादित करने वाले आरोपी बटन लाल निवासी काला महल को दोषी मानते हुए 5 साल की सजा एवं चार लाख 19000 के अर्थ दंड से दंडित किया है। शासकीय लोक अभियोजक मनीष वर्मा ने प्रकरण की जानकारी देते हुए बताया कि फरियादी अर्चना मेहर पति पुष्पराज मेहर। 27.09.2018 में थाने में शिकायती आवेदन देते हुए कहा कि हमारे साथ बटन लाल के द्वारा प्लांट विक्रय करने के नाम पर फर्जीवाड़ा करते हुए धोखाधड़ी की गई है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की तो पाया गया कि आरोपी के द्वारा फरियादी के साथ धोखाधड़ी करके प्लांट का विक्रय संपादित किया गया है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी बटन लाल पर पर 420,467,468 मैं मामला दर्ज करके मामले को न्यायालय में पेश किया गया जहां पर सभी साक्ष व्यानों के बाद अपर शास्त्र न्यायाधीश ने आरोपी को दोषी मानते हुए सभी धाराओं में अलग-अलग सजा और जुर्माना दंडित किया है जिसमें कुल सजा 5 साल एवं चार लाख 19 हजार रुपए से दंडित किया गया । इसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

नपा ने व्यापारियों को नालियों में फोल्डिंग वाली जाली लगाने के लिए किया सूचित

पट्टी से बाहर आने वाले ऊपर होगी कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मुख्य बाजार वैसे ही सकरा होने की वजह से परेशानी होती है । दूसरी ओर अधिकांश दुकानदारों के द्वारा नालियों पर ही अतिक्रमण करके सामान रख लिया जाता है या उनको बंद कर दिया जाता है। इस वजह से इनकी साफ सफाई नियमित रूप से नहीं हो पाती है इन दोनों बीमारियों का वैसे ही दौड़ चल रहा है। नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू ने बुधवार को मुख्य बाजार की साफ सफाई करवाते हुए। आमजन तथा व्यापारी बंधुओ को सूचित करते हुए कहा है कि शासन द्वारा मुख्य बाजार में पीली पट्टी खींची गई थी जिसमें यह सुनिश्चित किया गया था किइस पीली पट्टी से बाहर किसी प्रकार का स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण नहीं किया जावेगा प्राय देखने में आता है। अधिकांश व्यापारियों के द्वारा शासन के निर्देशों का पालन ना करते हुए नाली पर पटिया जमा लिए जाते हैं दुकानों के ऊपर टीन सेट लगा लिए जाते हैं इस वजह से पीली पट्टी के बाहर अतिक्रमण कर लिया जाता है । दुकानों से निकलने वाला कचरा नाली में फेंक दिया जाता है जिससे गंदगी उत्पन्न होती है एवं नाली पर पटिए रखे होने से सफाई नहीं हो पाती अतः पटियो को हटाकर नाली पर तत्काल फोल्डिंग जाली लगवा ले जिससे सफाई हो सके होने वाली बीमारी से मच्छरों से बचाव हो। समस्त जनो को सूचित किया जाता है तत्काल सभी स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमा को हटा लें अन्यथा नगर पालिका परिषद के द्वारा अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की जावेगी जिसमें चलन जपती एवं नगर पालिका अधिनियम के अंतर्गत अतिक्रमा को हटा दिया जाएगा इसमें होने वाले नुकसान की जवाबदारी स्वयं की होगी ।

मेट्रो एंकर — सिरोंज ब्लॉक के 390 स्कूल व 24 हजार अध्ययनरत छात्र-छात्राएं

कन्या हायर सेकेण्ड्री संकुल केन्द्र पर 73 दिनों से नही है प्राचार्य

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज ब्लॉक का एक मात्र कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल जो कि राव जी की हवेली के नाम से जाना जाता है। यह स्कूल एकीकृत शाला होने के कारण स्कूल में लगभग 3 हजार बच्चें अध्ययन कर रहें है। लेकिन बड़ी बिडंबना है कि लगभग 3 माह से उक्त स्कूल में प्राचार्य की नियुक्ति न होने के कारण स्कूल में पड़नें वाले छात्रों के अध्ययन एंव संकुल क्षेत्र में आ रही परेशानियों के कारण अव्यवस्था हो रही है।

73 दिनों से प्राचार्य विहीन स्कूल – शासकीय कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल एकीकृत शाला होने के कारण उक्त स्कूल में छात्रों की संख्या ज्यादा है साथ ही सिरोंज ब्लॉक का यह स्कूल सबसे बडा संकुल केन्द्र माना जाता है। 5 अक्टूबर 2023 को स्कूल में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य उमेश सोनी की पदोन्नति होने के कारण उन्हे ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बना दिया गया था। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी विदिशा ने स्कूल में पदस्थ वरिष्ठ षिक्षिका श्रीमति सोनू श्रीवास्तव को प्रभारी प्राचार्य बनने के आदेष जारी कर दिए थें। लेकिन श्रीमति सोनू श्रीवास्तव ने उक्त स्कूल में 10 से 15 दिनों तक प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्य किया और फिर वह कुछ दिनों लिए अवकाष पर चली गई। उनके अवकाश पर जाने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी स्कूल में पदस्थ शिक्षिका श्रीमति कमला चौरसिया को प्रभारी प्राचार्य के आदेष जारी कर दिए। लेकिन आदेष आने के पहले ही श्रीमति कमला चौरसिया मेडिकल अवकाश पर चली गई। वर्तमान में विद्यालय की स्थानीय व्यवस्था के अनुसार शिक्षिका श्रीमति सायदा सुल्तान प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्य कर रही है। वर्तमान समय में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कोई भी प्रभारी प्राचार्य के आदेष जारी नही किए गए। जिससे स्कूल की व्यवस्थाए काफी गडबडा गई है।

संकुल में 390 स्कूल और 24 हजार बच्चें – शासकीय कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल सिरोंज ब्लॉक का सबसे बडा संकुल केन्द्र है साथ ही संकुल केन्द्र बामोरीशाला, कस्बाताल, सी.एम राईस स्कूल की तुलना की जाए तो आहरण के अधिकार को देखते हुए सबसे अधिक कार्य कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल में रहता है। वर्तमान समय में कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल में लगभग 36 से लेकर 40 तक षिक्षक पदस्थ है और स्कूल में लगभग 15 सौं छात्राए अध्ययन कर रही है। ऐसी स्थिति में स्कूल में प्राचार्य का न होना एक बहुत बडी बिडंबना है।

संकुल के अंतर्गत 2 माह से कर्मचारियों को नही मिला वेतन –

कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल के अंतर्गत लगभग 390 स्कूल आते है। वही इन स्कूलों के अंतर्गत चौकीदार, लेबर एंव अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, अतिथि शिक्षकों को वेतन नही मिल रहा है। आज उन कर्मचारियों के सामने अपना परिवार चलाने के लिए बडी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यदि उक्त कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल जाए तो उन गरीबों को कई प्रकार की समस्याओं का समना नही करना पडेंगा। स्थिति यह है कि उक्त कर्मचारी प्रतिदिन संकुल केन्द्र पर पहुचकर अपने वेतन को लेकर चक्कर लगाते है। लेकिन पिछले दो माह इन कर्मचारियों को वेतन नही मिल पा रहा है।

24 हजार बच्चों का भविष्य अंधकार में

कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल के अंतर्गत आने वाले 390 स्कूलों के लगभग 24 हजार बच्चें अध्ययन कर रहें है। इन बच्चों की मेपिंग, छात्रवृत्ति एंव षिक्षा से संबधित कार्य अदर में लटके है। लेकिन फिर भी संकुल के अंतर्गत कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल में स्थानीय व्यवस्था के अनुसार स्कूल में पदस्थ शिक्षक छात्राओं को अध्ययन कराने के बाद यूडाईस व छात्रवृत्ति का काम कर रहें है। यहा भी प्राचार्य की कमी होने के कारण बहुत से शासकीय कार्यो में बाधाएं आ रही है।

इनका कहना है -

मुझे जानकारी है आज ही प्राचार्य की नियुक्ति का आदेष जारी करा देगें।

जी.पी राठी, जिला शिक्षा अधिकारी, विदिशा।

पर्ल में मेजबान से एक भी वनडे नहीं जीता भारत, अफ्रीका में दूसरी सीरीज जीतने का मौका

भारतीय टीम आज जीती तो अफ्रीकी सरजमीं पर दूसरी सीरीज जीत लेगी

पर्ल, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला गुरुवार को पर्ल के बोलैंड पार्क स्टेडियम में शाम 4.30 बजे से खेला जाएगा। मुकाबले का टॉस शाम 4 बजे होगा। इसे जीतने वाली टीम वनडे सीरीज अपने नाम कर लेगी। अभी 3 मुकाबलों की द्विपक्षीय सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। पहला मुकाबला भारत ने 8 विकेट से जीता था, जबकि दूसरा मेजबान साउथ अफ्रीका ने 8 विकेट से जीता। यदि भारतीय टीम इस मुकाबले को जीत लेती है, तो अफ्रीकी सरजमीं पर दूसरी वनडे सीरीज जीत लेगी। टीम ने 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में वहां पहली सीरीज जीती थी। हालांकि, पार्ल के मैदान पर टीम इंडिया का रिकॉर्ड खराब है। टीम ने इस मैदान पर 2 मुकाबले खेले हैं और दोनों में पराजय का सामना करना पड़ा है। बारिश के आसार नहीं गुरुवार को पार्ल में बारिश की आशंका बिल्कुल नहीं है। यहां का मौसम साफ रहेगा। ऐसे में फैंस को पूरा मैच देखने को मिल सकता है।

चेज करने वाली टीम ने ज्यादा मैच जीते

पार्ल के बोलैंड पार्क स्टेडियम में गुरुवार को टॉस जीतने वाली टीम गेंदबाजी चुन सकती है। क्योंकि, यहां पहले गेंदबाजी करने वाली टीम ने ज्यादा मैच जीते हैं। यहां खेले गए 20 मैचों में से 9 पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते, जबकि 10 स्कोर चेज करने वाली टीम ने जीते हैं। पहली पारी में औसत स्कोर 234 रन है, जबकि दूसरी पारी का औसत स्कोर 182 है।

■ पर्ल के मैदान पर भारत का रिकॉर्ड खराब

पर्ल के बोलैंड पार्क मैदान पर मेजबानों के खिलाफ टीम इंडिया का रिकॉर्ड खराब है। भारतीय टीम ने यहां ओवरऑल 5 वनडे खेले हैं। इनमें 2 साउथ अफ्रीका के खिलाफ हुए हैं। इन दोनों मुकाबलों में भारतीय टीम को पराजय का सामना करना पड़ा है। टीम इंडिया इस मैदान पर 2003 के बाद से जीत हासिल नहीं कर सकी है। टीम को आखिरी जीत नीदरलैंड के खिलाफ मिली थी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक 15 द्विपक्षीय सीरीज हुई हैं। दोनों टीमों ने 7-7 सीरीज जीती हैं।

■ 2023 में केएल राहुल ने 1000+ रन बनाए, कुलदीप को 49 विकेट

भारतीय कप्तान केएल राहुल ने इस साल 1000 से ज्यादा रन बना लिए हैं। उनके 26 मैचों में 1039 रन हैं। राहुल के अलावा, शुभमन गिल (1584 रन), विराट कोहली (1377 रन) और रोहित शर्मा (1255 रन) भी यह कारनामा कर चुके हैं, लेकिन वे इस टीम का हिस्सा नहीं हैं। गेंदबाजी में कुलदीप यादव इस साल 49 विकेट ले चुके हैं। वे इस साल 50 विकेट हासिल करने से एक विकेट दूर हैं।

■ मार्करम इस साल एक हजार रन पूरे करने से 3 रन दूर

साउथ अफ्रीकी कप्तान ऐडन मार्करम इस साल एक हजार रन पूरे करने से 3 रन दूर हैं। वे 23 मैचों में 997 रन बना चुके हैं। गेंदबाजी में केशव महाराज ने 17 मैचों में 26 विकेट लिए हैं। इस साल महाराज से ज्यादा मार्को यानसन (33 विकेट) और जेराल्ड कूट्ज़ी (31 विकेट) ने विकेट लिए हैं, लेकिन यानसन और कूट्ज़ी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

अंडर-19 की ट्रॉफी में खेल दी 98 रनों की पारी

राहुल द्रविड़ के बेटे समित ने बिखेरा जलवा

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज़ और मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड़ अपने शानदार खेल के लिए दुनियाभर में जाने जाते थे. अब उनका बेटा समित क्रिकेट के मैदान पर पिता के नक्शे कदम पर चलता हुआ दिख रहा है. समित इन दिनों बीसीसीआई की ओर से आयोजित अंडर-19 कूच बेहार ट्रॉफी खेल रहे हैं. समित टूर्नामेंट में कर्नाटक टीम का हिस्सा हैं. टूर्नामेंट में जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ खेले गए मुकाबले में समित ने 98 रनों की पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में योगदान दिया. जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ खेले गए मुकाबले में समित ने 159 गेंदों में 98 रन स्कोर किए, जिसमें 13 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. हालांकि समित शतक से चूक गए. मुकाबला जम्मू कश्मीर के होस्टल ग्राउंड पर खेला गया, जिसमें कर्नाटक ने बेहद ही शानदार जीत दर्ज की. मेजबान जम्मू एंड कश्मीर ने एक पारी और 130 रनों से मुकाबला गंवाया. मैच में पहले बैटिंग करते हुए जम्मू एंड कश्मीर की टीम 170 रनों पर ऑलआउट हो गई. इसके बाद पहली पारी में बैटिंग के उतरी कर्नाटक की टीम ने 5 विकेट पर 480 रन बनाए और पारी घोषित कर दी. फिर दूसरी पारी के लिए उतरी जम्मू एंड कश्मीर 130 रनों पर ही ऑलआउट हो गई. इस तरह कर्नाटक ने सिर्फ एक पारी खेल जम्मू एंड कश्मीर को एक पारी और 130 रनों से हराया. सोशल मीडिया पर समित की बैटिंग की वीडियो तेज़ी से वायरल हो रही है, जिसमें वो कुछ बेहद ही खूबसूरत शॉट्स खेलते हुए दिख रहे हैं. बैटिंग में समित का अंदाज़ काफी क्लासिक व सूझबूझ वाला दिख रहा है. वीडियो में समित एक दम शांत अंदाज में बैटिंग कर रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम का भारतीय टीम से मुकाबला

इंग्लैंड को हराने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया को हराने की तैयारी में आज टीम इंडिया

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम भारत के दौरे पर आई हुई है, जहां उन्हें भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ एक टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है. ऑस्ट्रेलिया के इस भारत दौरे की पहली सीरीज, यानी एकमात्र टेस्ट मैच आज से मुंबई के वानखाड़े स्टेडियम में शुरू होने जा रहा है. इस मैच में भारत का मनोबल काफी ऊंचा है, क्योंकि हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया ने कुछ दिन पहले ही इंग्लैंड के बेहद आसानी से एकमात्र टेस्ट मैच में हराकर वापस घर भेजा था. उस मैच में भारत की ओर से तीन खिलाड़ी शुभा सतीश, जेमिमा रॉड्रिग्स, और रेणुका ठाकुर ने डेब्यू किया था. शुभा और जेमिमा ने अपने डेब्यू टेस्ट पारी में 69 और 68 रनों की पारी खेली थी, जबकि रेणुका ठाकुर ने भी एक विकेट लिया था. भारत ने उस मैच में दीप्ति शर्मा की हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड को 347 रनों से हरा दिया था. अब आज भारत का मैच ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाला है. आइए हम भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीमों का स्क्वॉड और प्लेइंग इलेवन बताते हैं.

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम: ऑस्ट्रेलिया महिला टीम का स्क्वॉड- बेथ मूनी, फोबे लिचफील्ड, एलिसे पेरी, ताहलिया मैकग्राथ, एलिसा हीली (विकेटकीपर/कप्तान), एशले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड, अलाना किंग, किम गार्थ, डार्सी ब्राउन, मेगन शुट्ट, जेस जोनासेन, लॉरेन चीटल, हीथर ग्राहम , जॉर्जिया वेयरहैम

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन- बेथ मूनी, फोबे लिचफील्ड, एलिसे पेरी, ताहलिया मैकग्राथ, एलिसा हीली (कप्तान, विकेटकीपर), एनाबेल सदरलैंड में शामिल है।

42 दिन नंबर-1 पर रहने वाले शुभमन गिल को पीछे छोड़ पाकिस्तानी क्रिकेटर बाबर आजम वनडे रैंकिंग में टॉप पर

नईदिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तानी क्रिकेटर बाबर आजम आईसीसी की वनडे रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने भारत के शुभमन गिल को पीछे छोड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। गिल 42 दिन तक नंबर-1 पर रहे। आईसीसी ने हाल ही में ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है। ताजा रैंकिंग में शीर्ष-5 स्थानों में से 3 पर भारतीयों का कब्जा है। बाबर 824 अंकों के साथ टॉप पर पहुंचे। वहीं गिल 810 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।विराट कोहली 775 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बॉलिंग रैंकिंग में केशव महाराज टॉप पर: गेंदबाजी रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के केशव महाराज टॉप पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज मोहममद सिराज तीसरे स्थान पर हैं। सिराज सहित तीन भारतीय गेंदबाज टॉप-10 में अपना स्थान पक्का करने में सफल हुए हैं। वहीं नंबर 1 ऑलराउंडर शाकिब अल हसन हैं।

गिल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ ब्रेक का नुकसान हुआ: गिल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से आराम दिया गया था, जिसका उन्हें नुकसान हुआ है। आयरलैंड के हैरी टेक्टर जिम्बाब्वे के खिलाफ 33 रनों की पारी के दम पर वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टी-20 में नंबर 1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव: ताजा रैंकिंग में टी-20 फॉर्मेट में नंबर 1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अपने स्थान पर कायम हैं। वहीं टी-20 के नंबर एक गेंदबाज आदिल रशीद हैं, वनडे की तरह इस फॉर्मेट में भी नंबर 1 ऑलराउंडर शाकिब अल हसन हैं। टेस्ट में नंबर 1 गेंदबाज आर अश्विन हैं, बैटर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन हैं। वहीं नंबर 1 ऑलराउंडर फिलहाल रवींद्र जडेजा हैं।

मेट्रो बाजार

महिंद्रा सपोर्टेड रिटेल स्टार्टअप का आ रहा आईपीओ, कर रही तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी

महिंद्रा समूह से समर्थन प्राप्त यह वेंचर चिल्ड्रेनकेयर एंड चिल्ड्रेनवेयर कैटेगरी का काफी लोकप्रिय ब्रांड बन चुका है. अब इसका आईपीओ लाने की तैयारी चल रही है। महिंद्रा समूह के समर्थन वाले फेमस ओम्नीचैनल रिटेल वेंचर फर्स्ट्क्राई का जल्द ही आईपीओ आ सकता है. चिल्ड्रेनकेयर एंड चिल्ड्रेनवेयर कैटेगरी के सबसे लोकप्रिय रिटेल ब्रांड में से एक फर्स्ट्क्राई ने आईपीओ के लिए तैयारियां शुरू कर दी है और आने वाले दिनों में कंपनी बाजार नियामक सेबी के पास अपने आईपीओ का ड्राफ्ट सबमिट कर सकती है. खबरों में ऐसा दावा किया जा रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार, फर्स्ट्क्राई जल्दी ही आईपीओ का ड्राफ्ट यानी डीआरएचपी फाइल करने की तैयारी में है. कंपनी ने इससे पहले भी आईपीओ लाने की तैयारियां की थीं, लेकिन बाजार की उथल-पुथल को देखते हुए उसने आईपीओ के फैसले को टाल दिया था. कंपनी पिछले साल ही आईपीओ लाना चाह रही थी, लेकिन उस समय बाजार काफी वोलेटाइल था. रिपोर्ट के अनुसार, फर्स्ट्क्राई आईपीओ के जरिए बाजार से 500-600 मिलियन डॉलर तक जुटाने का प्रयास कर सकती है. अभी कंपनी की अनुमानित वैल्यू के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है, लेकिन मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि आईपीओ के समय कंपनी की वैल्यू 4 बिलियन डॉलर के आस-पास रखी जा सकती है. इसी महीने ड्राफ्ट फाइल होने की उम्मीद ज्यादा है। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से रिटेल बिजनेस में मौजूद कंपनी फर्स्ट्कंपनी अगले सप्ताह तक आईपीओ का ड्राफ्ट जमा कर सकती है. ईटी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि आईपीओ का डीआरएचपी 29 दिसंबर तक सेबी के पास जमा हो सकता है, जबकि कंपनी अपना आईपीओ अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव के बाद लेकर आएगी.

टाटा पंच ईवी अगले महीने हो सकती है लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स अगले महीने जनवरी 2024 के आखिरी हफ्ते में पंच ईवी लॉन्च कर सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के यह जानकारी दी है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक ऑफिशियल रुप से कोई भी जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट के अनुसार पंच ईवी देश की सबसे सस्ती फुली इलेक्ट्रिक एसयूवी हो सकती है। यह सिट्रोएन को टक्कर देगी, जिसकी कीमत 11.61 लाख से शुरू होकर 12.79 लाख तक जाती है। दोनों कीमतें एक्स-शोरूम की हैं। टाटा पंच स्पेसिफिकेशन्स के बारे में अभी कोई भी जानकारी अवेलेबल नहीं है। उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी इसमें बड़ी बैटरी दे सकती है। फुल चार्ज होने पर पंच ईवी की बैटरी 350 किलोमीटर का रेंज दे सकती है। आईसीई पंच के मुकाबले ईवी में मिल सकते हैं ज्यादा फीचर्स मीडिया रिपोर्ट की माने तो कंपनी द्धष्टश्व पंच के मुकाबले पंच ईवी में ज्यादा फीचर्स दे सकती है, जिसमें एलईडी हेडलाइट्स, ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक, टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, स्पोक स्टीयरिंग व्हील सहित अन्य शामिल हो सकते हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फैशन मैगजीन से सिनेमा तक, 16 साल पहले ऋचा को ऑफर हुआ था मां का रोल

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार्स हैं, जिनका सपना तो एक्टर बनने का था, लेकिन अपने करियर की शुरूआत वह सीधे एक्टिंग के जरिए नहीं कर पाए. कोई इंजीनियर बनने के बाद एक्टर बन गया, तो किसी ने हीरो बनने के लिए इंजीनियरिंग छोड़ दी. कोई सरकारी नौकरी छोड़कर एक्टर बना, किसी ने फैशन मैगजीन में काम करने के बाद मॉडलिंग शुरू की और एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा. जिस एक्ट्रेस की आज हम बात करने जा रहे हैं. उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए काफी स्ट्रगल किया है. अपनी बेबाकी के लिए पहचाने जाने वाली ये एक्ट्रेस 'भोली पंजाबन' के नाम से फैंस के बीच में जानी जाती है. अब तो आप समझ ही गए होंगे बात कर रहे हैं ऋचा चड्ढा की, जिनको गैंग्स ऑफ वासेपुर, मसान और लव सोनिया जैसी फिल्मों के लिए क्रिटिक्स की खूब सराहना मिली थी. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड में आने से पहले ऋचा एक मैगजीन में काम करती थीं. ऋचा की पूरी पढ़ाई-लिखाई और परवरिश दिल्ली में ही हुई. ऋचा को फैशन मैगजीन में पहली इंटर्नशिप मिली, जिसके बाद वह इस फील्ड में करियर बनाने के बारे में सोचने लगा. लेकिन काम के साथ मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में भी उनका इंटरस्ट जागने लगा. शानदार पर्सनैलिटी शुरू से रही इसलिए उनको मॉडलिंग के भी ऑफर मिलने और फिर वो जल्द ही वो मॉडलिंग के क्षेत्र में पॉपुलर हो गईं. फैशन मैगजीन के लिए उनको एक बार एक्टर अभय देओल का इंटरव्यू करने के लिए कहा गया. अभय देओल तक किसी तरह कॉन्टेक्ट किया, लेकिन उन्होंने इंटरव्यू देने से मना कर दिया. अब इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस एक्टर ने इंटरव्यू के लिए मना कर दिया था ऋचा ने उसी के साथ फिल्म ओए लक्की लक्की ओए से डेब्यू किया. एक इंटरव्यू के दौरान ऋचा चड्ढा ने बताया था कि कैसे उन्हें एक फिल्म में ऋतिक रोशन की मां का रोल ऑफर हुआ था. यह रोल ऋचा को तब ऑफर हुआ था जब वह केवल 33 साल की थीं और वह उनसे बड़े थे. मल्टी टैलेंटेड एक्ट्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे यह उन कलाकारों के साथ अन्याय है, जो ज्यादा उम्र के हैं और जिनके पास पहले से ही सीमित मौके हैं. जब ऋचा से पूछा गया था कि क्या उन्हें कास्टिंग डायरेक्टर पर गुस्सा आता है तो उन्होंने जवाब दिया कि असल में वह परेशान थीं, क्योंकि वह उस समय 21 साल की थीं. हालांकि किसी ने कास्टिंग डायरेक्टर को यह बताया था कि वह बड़ी उम्र की महिलाओं का रोल असरदार तरीके से करती हैं. इसलिए बिना ज्यादा सोचे-समझे उन्होंने उन्हें यह रोल ऑफर कर दिया.

सालार के डायरेक्टर बोले- बड़े स्टार्स को फ्लॉप फिल्मों से फर्क नहीं पड़ता

स्टार हमेशा स्टार ही रहता है। कुछ फिल्मों के फ्लॉप होने पर उसका स्टारडम नहीं गिरता। यह कहना है, प्रभास की फिल्म सालार के डायरेक्टर प्रशांत नील का। प्रशांत ने कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि प्रभास की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिट गई हैं। उन्हें बस एक हिट फिल्म की जरूरत है। बाहुबली में उन्होंने जो काम किया है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। प्रशांत नील ने शाहरुख खान का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि शाहरुख की भी पिछली फिल्में फेल हो रही थीं। लेकिन इस साल उन्होंने वापसी करके दिखा दिया है कि वो कितने बड़े स्टार हैं। प्रशांत ने यहां शाहरुख की तारीफ की है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म के साथ टक्कर लेने जा रहे हैं। शाहरुख की फिल्म डंकी कल यानी 21 दिसंबर को रिलीज हो रही है। वहीं सालार 22 दिसंबर को पैन इंडिया रिलीज होगी। दोनों फिल्मों की टक्कर को महाक्लैश की तरह देखा जा रहा है। प्रशांत नील ने कहा- प्रभास बड़े स्टार हैं। बाहुबली के बाद वो सबसे बड़े स्टार हो गए। लोग शायद इस फिल्म को कभी नहीं भूल पाएंगे। वो चाहे एक फ्लॉप दें या 20, उन्हें बस एक हिट की जरूरत है। प्रभास की पिछली फिल्म आदिपुरुष 600 करोड़ में बनी थी। हालांकि फिल्म डिजास्टर साबित हुई थी। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ कमाने के लाले पड़े थे। इसके अलावा फिल्म राधेश्याम भी बुरी तरह पिटी थी। ऐसे में सालार प्रभास के करियर की सबसे अहम फिल्म होने वाली है। प्रशांत नील ने डंकी के साथ क्लैश पर भी बात की। उन्होंने कहा- फिल्म कितना कमाएगी। फिल्म का बिजनेस कितना होगा। इन सब चीजों में मैं फंसना नहीं चाहता। मुझे फिल्म बनाने के लिए एक पर्टिकुलर अमाउंट मिलता है। मेरा काम उस पर्टिकुलर अमाउंट में फिल्म को रेडी कर सही समय पर रिलीज करना है। प्रशांत ने यहां राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उनके दिल में दोनों के लिए बहुत ज्यादा रिस्पेक्ट है।

अमरीश पुरी को देखते ही कांपने लगता था डायरेक्टर, सेट पर आते ही छूते थे पैर

दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी का जब भी नाम आता है, एक खूंखार-खतरनाक विलेन की छवि लोगों के मन में आ जाती है. जो अक्सर हीरो-हीरोइन के लिए मुश्किल बना रहता है. रील लाइफ में तो अमरीश पुरी ने दर्शकों को खूब डराया, लेकिन बॉलीवुड के एक डायरेक्टर-प्रोड्यूसर ऐसे हैं जो रियल लाइफ में भी अमरीश पुरी से खूब डरते थे और इसका खुलासा खुद इस डायरेक्टर ने किया है. हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर करण जौहर की. स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफी विद करण' को होस्ट करने वाले बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने शेयर किया कि आइकोनिक फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में काम करने के दौरान वह दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी से डरते थे. करण जौहर ने शाहरुख खान और काजोल स्टारर 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था, और वह अमरीश पुरी से डर रहे थे क्योंकि वह सीन्स की डिटेलिंग के बारे में बहुत खास थे. स्ट्रीमिंग शो के अपकमिंग एपिसोड में बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन और निर्देशक रोहित शेट्टी नजर आएंगे. एपिसोड के दौरान, करण ने पुराने दिनों को याद किया और कहा मुझे आपको बताना होगा, मेरे पिता और अमरीश जी एक ही गांव से आते हैं, इसलिए मेरे पिता ने सबसे पहले मुझे बताया कि मुझे किसके पैर छूने हैं, वह अमरीश जी के थे. अजय देवगन ने कहा, एकमात्र व्यक्ति जिसके मैंने पैर छुए हैं, वह अमरीश जी हैं क्योंकि मैंने उनके साथ जो पहला शॉट लिया था, उसमें मैंने उनके पैर छुए थे.

ई रिक्शा चालक की हत्या करने वाले चार गिरफ्तार, तीन की तलाश जारी

लोडिंग ऑटो में मारपीट के दौरान हुई मौत तो भेल के खंडहर में छोड़ आए थे मृतक, देर रात जीबीएम स्कूल के पास मैदान में लाश लगाई थी ठिकाने

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चेतक ब्रिज पर लोडिंट ऑटो ड्राइवर और उसके साथियों द्वारा मिलकर ई रिक्शा ड्राइवर का अपहरण कर लिया गया था। अहरण के बाद आरोपी उसे लोडिंग आटो से लेकर घूमते रहे और उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट में ई रिक्शा ड्राइवर की मौत होने के बाद आरोपी उसकी लाश भेल के खंडहर में लेकर पहुंचे थे। वहां लाश छिपाकर रखी और मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात लाश जीबीएम स्कूल के पास सड़क पर छोड़ दी। इस सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके तीन अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

मृतक–जैद

पुलिस के अनुसार जैद उर्फ जैदउद्दीन पिता फजरउद्दीन (22) खानूगांव कोहेफिजा में रहता था और ई रिक्शा चलाता था। सोमवार देर रात जैदउद्दीन ई रिक्शा लेकर भेल दशहरा मैदान गोविंदपुरा पहुंचा था। उसके साथ उसका साथी शाहवर भी था। दोनों सवारी की तलाश रहे थे। सवारी नहीं मिलने पर वह चेतक ब्रिज पहुंचे, वहां सवारी की तलाश करने लगे। इसी बीच लाल रंग के लोडिंट आटो ने जैद के ई रिक्शा को टक्कर मार दी। जैदउद्दीन ने लोडिंग आटो ड्राइवर का विरोध किया था। इस दौरान लोडिंग आटो ड्राइवर ने अपने साथियों को बुला लिया और जैदउद्दीन के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपी उसे आटो में लेकर घूमते रहे और हाथ मुक्को समेत डंडे से मारपीट करते रहे। जब जैद की मौत हो गई तो आरोपियों ने उसे भेल के खंडहर में छोड़ दिया था। मंगलवार देर रात आरोपी खंडहर में पहुंचे और मैजिक वाहन से उसकी लाश लेकर जीबीएम स्कूल के पास सड़क किनारे कंबल में लपेटकर छोड़ दी।

बागदिलकुशा से पकड़ा

हत्यारों की तलाश गोविंदपुरा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम कर रही थी। इसी बीच क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि जैद की हत्या करने वाले हत्यारे बागदिलकुशा में है। सूचना के बाद टीम ने घेराबंदी करते हुए बागदिलकुशा से संदेही कल्लू उर्फ नदीम पिता रईस पठान (20) सुपर शादी हाल के पास बागदिलकुशा ऐशबाग, अर्जुन साहू पिता सुभाष साहू (20) बैंक कालोनी जहांगीराबाद, नीरज खटीक पिता जयराम (22) बागदिलकुशा ऐशबाग और बृजमोहन पिता मान सिंह कार (26) बागउमराब दूल्हा, ऐशबाग को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर जैद की हत्या करने की बात स्वीकार ली। पुलिस को इस सनसनीखेज हत्याकांड में तीन अन्य आरोपियों की तलाश है।

हत्या के बाद सभी अपने अपने काम पर पहुंचे

सभी आरोपी फ्रूट्स का कारोबार करते हैं। हत्या के बाद किसी को शक न हो इसलिए आरोपी अपने अपने काम पर चले गए थे। काम से लौटने के बाद रात में आरोपी गोविंदपुरा स्थित खंडहर पहुंचे थे। रात करीब 3 बजे आरोपियों ने नईम के मैजिक आटो से जैद की लाश जीबीएम स्कूल के पास झाडियों में ठिकाने लगा दी। इसके बाद सुबह उठकर फिर काम पर चले गए थे।

ऑटो चालक के साथ जिलाबदर बदमाश ने की अड़ीबाजी

गौतम नगर पुलिस ने एक ऑटो चालक की रिपोर्ट पर जिलाबदर बदमाश के खिलाफ अड़ीबाजी का मामला दर्ज किया है। आरोपी को दो सप्ताह पहले जिलाबदर किया गया था, लेकिन ऑटो चालक पर खर्चे के लिए पांच हजार रुपये की अड़ी डाल रहा था। पुलिस ने अड़ीबाजी के साथ ही बदमाश के खिलाफ जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने पर रासुका के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के मुताबिक गुलफाम मामू (52) राजगढ़ कालोनी, गणेश मंदिर के पीछे झुग्गीबस्ती में रहते हैं और ऑटो चलाते हैं। मंगलवार की रात करीब साढें आठ बजे वह घर के सामने बैठे हुए थे, तभी बदमाश लच्छू उर्फ लक्ष्मीनारायण पहुंचा। लच्छू ने गुलफाम से कहा कि उसका जिलाबदर हुआ है और खर्चे के लिए रुपये नहीं है, इसलिए पांच हजार रुपये दो। गुलफाम ने जब रुपये देने से मना किया तो उसने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया तो उनको भी धमकाते हुए वहां से भाग निकला। गुलफाम ने थाने पहुंचकर बदमाश के खिलाफ मारपीट और अड़ीबाजी का केस दर्ज करवाया। पुलिस ने जिलाबदर कानून का उल्लंघन पर पर बदमाश के खिलाफ रासुका के तहत भी कार्रवाई की है।

कट मारने का विरोध किया तो छात्र से ऑटो चालक ने की मारपीट

स्टेशन के सामने हुई वारदात

भोपाल। हबीबगंज इलाके में एक ऑटो चालक ने बाइक सवार सो कट मार दिया। बाइक सवार ने जब इसका विरोध किया तो आटो चालक ने उसके साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सृजल चौबे (20) उदयपुरा जिला रायसेन का रहने वाला है। फिलहाल वह इंद्रपुरी पिपलानी में रहता है और कोलार रोड स्थित एक कालेज से बीएससी थर्ड इयर की पढ़ाई कर रहा है। रात करीब साढ़े सात बजे वह मोटर सायकिल से घर लौट रहा था। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने पहुंचा तो एक ऑटो चालक ने उसकी बाइक को कट मार दी। सृजल ने जब आटो चालक को ठीक से गाड़ी चलाने की समझाईश देनी चाही तो ऑटो चालक ने उसके साथ गाली-गलौज करते मारपीट कर दी। इसी बीच किसी व्यक्ति ने आटो चालक का नाम अरुण कनर्जी बताया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कलियासोत डैम में मिली युवक की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित कलियासोत डैम में बीती देर रात एक युवक की लाश मिलने से सन सेमी फैल गई। मछुआरे की सूचना पर पहुंची पुलिस लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। लाश करीब 4 से 5 दिन पुरानी होने के कारण बुरी तरह से सड़ चुकी है। मृतक के पास और घटना स्थल से ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिल पाया है जिससे कि उसकी शिनाख्त की जा सके।

पुलिस के अनुसार बुधवार रात कुछ कुछ मछुआरे मछली पकड़ने के लिए कलियासोत डैम पहुंचे थे। मछली पकड़ते समय उन्होंने तालाब के बीचो-बीच एक लाश देखकर

पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी।मृतक की उम्र करीब 40 साल के आसपास बताई जा रही है। वह शर्ट और बरमुंडा पहने हुए था। पेज में प्लास्टिक के जूते मिलने के कारण अनुमान है कि वह मजदूर वर्ग का है।

परिचित किशोर पर मामला दर्ज

दुष्कर्म की पीड़िता ने जहर खाकर की आत्महत्या:दुष्कृत्य दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सुखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित कस्बे में 5 महीने पूर्व जहर खाकर आत्महत्या करने वाली नाबालिक के परिचित पर पुलिस ने बलात्कार का मामला दर्ज किया है। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने लैंगिक अपराधों में बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा भी लगाई है। थाना प्रभारी रचना मिश्रा ने बताया कि जून महीने में 16 साल की नाबालिग ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाबालिग का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया। पुलिस मर्ग जांच कर रही थी। इस दौरान मृतका के पिता ने पुलिस को एक सुसाइड नोट दिया था। उक्त सुसाइड नोट मृतिका के पिता को मृतिका की किताब में मिला था। सुसाइड नोट में 16 साल के परिचित किशोर के बारे में प्रताड़ित करने की बातें लिखी थी। पुलिस में सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से जांच कराई साथ ही मर्ग जांच और पीएम रिपोर्ट के आधार पर परिचित किशोर के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस की जांच में यह बात सामने आएगी मृतका और परिचित किशोर के बीच शारीरिक संबंध बना रहे थे।

हाथभट्टी शराब के साथ एक गिरफ्तार

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास हाथभट्टी शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह सूचना मिली कि ग्राम सुहाया जोड़ के पास एक युवक प्लास्टिक के कप्पे में अवैध रूप से शराब लेकर बेचने के लिए खड़ा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम निर्पतसिंह निवासी ग्राम करारिया कंजर टपरा बैरसिया बताया। उसके पास मौजूद कुप्पे को खोलकर देखा तो अंदर 6 लीटर देशी कच्छी हाथभट्टी शराब रखी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।

सीढ़ियों से गिरकर 4 साल की बच्ची की मौत

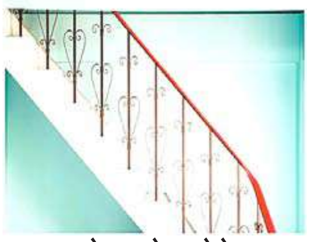

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित मकबरे वाली मस्जिद के पास काजी कैंप में 4 साल की मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सीढ़ियों से गिरने के कारण परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे जहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम का शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार 4 साल की अयात खान पिता नवाज खान मकबरी मस्जिद के पास काजीकैंप में रहती थी। उसके पिता नवाज खान प्राइवेट काम करते हैं। नवाज खान ने पुलिस को बताया कल बुधवार शाम अयात घर के सामने खेल रही थी। खेलते खेलते बस सीढ़ियों तक पहुंच गई। सीढ़ियों से गिरने के सीढ़ियों से गिरने के कारण उसे सिर में गंभीर चोट आई थी। उसकी चीख पुकार सुनकर परिजन नीचे पहुंचे थे। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। सिर में गंभीर चोट होने के कारण कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया

कारोबारी को रोककर स्कूटर सवार तीन युवकों ने की मारपीट, आरोपी फरार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया इलाके में स्कूटर सवार तीन युवकों ने एक कारोबारी की कार रोककर गाली-गलौज की और जब उन्होंने गाली देने से मना किया तो तीनों ने मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाले शानू उर्फ अमन मीना रेत का कारोबार करते हैं। सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह पिपलानी पेट्रोल पंप से वापस अपने घर लौट रहे थे। उनके साथ कार में दो दोस्त भी थे। अरनव अस्पताल के पास एक स्कूटर पर सवार तीन लड़कों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। अमन कार से बाहर निकले और गाली देने से मना किया तो तीनों युवकों ने मारपीट कर दी और भाग निकले। झगड़े का कारण और आरोपियों का फिलहाल कुछ पता नहीं चल पाया है।

भोजपाल मेले के सामने से चोरी हुई बाइक

भोपाल। गोविंदपुरा थाने के सामने दशहरा मैदान में चल रहे भोजपाल मेला परिसर से लगातार वाहन चोरी हो रहे हैं। इस बार मोहम्मद सलमान सिद्दीकी की बाइक चोरी हो गई। इसके पहले करीब आधा दर्जन दोपहिया वाहन मेला ग्राउंड से चोरी हो चुके हैं। इधर, पुल बोगदा ऐशबाग में रहने वाली अकबर बानों के घर के सामने खड़ी स्कूटर, बापू कालोनी बजरिया में रहने वाली सरोज यादव के घर के सामने से स्कूटर और कोलार रोड स्थित डी मार्ट के सामने से विपिन पटेल की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022